दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'ज्ञान, पद और संपत्ति से बड़ा कोई आभूषण नहीं, लेकिन विनम्रता के बिना ये सभी बोझ बन जाते हैं। जो व्यक्ति जितना ऊँचा उठता है, उसे उतना ही झुकना सीखना चाहिए, क्योंकि फलदार वृक्ष और महान व्यक्तित्व दोनों अपनी विनम्रता से पहचाने जाते हैं।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

हुनर नहीं, घमंड डुबोता है इंसान को

मानव जीवन में ज्ञान, कला, प्रतिभा और हुनर का विशेष महत्व है। यही गुण व्यक्ति को भीड़ से अलग पहचान दिलाते हैं और उसे सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं। कोई व्यक्ति अपनी विद्वता से सम्मान अर्जित करता है, कोई अपनी कला से लोगों के दिलों में जगह बनाता है, तो कोई अपने कौशल और परिश्रम के बल पर समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करता है। लेकिन इतिहास और वर्तमान दोनों इस बात के गवाह हैं कि इंसान को उसकी प्रतिभा कभी नहीं डुबोती, बल्कि उस प्रतिभा से उत्पन्न होने वाला अहंकार उसे पतन की ओर ले जाता है। जहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। अक्सर देखा जाता है कि जब व्यक्ति किसी क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर लेता है, तो उसके भीतर यह भावना जन्म लेने लगती है कि उससे बेहतर कोई नहीं है। यही भावना धीरे-धीरे आत्मविश्वास से आगे बढ़कर अहंकार का रूप धारण कर लेती है। व्यक्ति अपनी उपलब्धियों को अपनी मेहनत का परिणाम मानने के बजाय स्वयं को सर्वश्रेष्ठ और दूसरों को कमतर समझने लगता है। यहीं से उसके पतन की शुरुआत हो जाती है। प्रकृति हमें हर पल विनम्रता का पाठ पढ़ाती है। फल से लदा हुआ वृक्ष हमेशा झुका रहता है, जबकि सूखा और बंजर वृक्ष अकड़कर खड़ा रहता है। नदी का जल भी नीचे की ओर बहकर ही लोगों की प्यास बुझाता है। बादल भी तभी बरसते हैं जब वे झुकते हैं। प्रकृति का यह संदेश स्पष्ट है कि जितना बड़ा बनो, उतना ही विनम्र बनो। जो झुकना जानता है, वही समाज का सम्मान प्राप्त करता है। वर्तमान समय में सामाजिक जीवन से लेकर राजनीति, शिक्षा, प्रशासन, व्यापार और मीडिया तक हर क्षेत्र में प्रतिभाशाली लोग मौजूद हैं। लेकिन सम्मान हमेशा उन्हीं लोगों को मिलता है जो अपनी काबिलियत के साथ विनम्रता को भी बनाए रखते हैं। इसके विपरीत, जो लोग अपने ज्ञान या पद के कारण दूसरों को तुच्छ समझने लगते हैं, वे धीरे-धीरे समाज से कट जाते हैं। लोग उनकी प्रतिभा का सम्मान भले करें, लेकिन उनके व्यक्तित्व को स्वीकार नहीं कर पाते। यह भी एक महत्वपूर्ण सत्य है कि सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती। जिस दिन व्यक्ति यह मान लेता है कि उसे सब कुछ आ गया है, उसी दिन उसका विकास रुक जाता है। दुनिया में कोई भी इतना बड़ा नहीं हुआ कि उसे कुछ नया सीखने की आवश्यकता न हो। विज्ञान, तकनीक, समाज और विचार निरंतर बदल रहे हैं। ऐसे में जो व्यक्ति स्वयं को पूर्ण समझ लेता है, वह समय के साथ पिछड़ जाता है। इसके विपरीत, जो व्यक्ति हर दिन स्वयं को विद्यार्थी मानता है, वह निरंतर आगे बढ़ता रहता है।

आज के डिजिटल युग में यह समस्या और भी बढ़ गई है। सोशल मीडिया ने लोगों को अपनी उपलब्धियों को प्रदर्शित करने का आसान मंच दिया है। प्रसिद्धि और प्रशंसा की चाह में कई बार लोग अपनी वास्तविक क्षमता से अधिक स्वयं को प्रस्तुत करने लगते हैं। लाइक, फॉलोअर और प्रशंसा के बीच व्यक्ति यह भूल जाता है कि वास्तविक मूल्यांकन समाज और समय करते हैं, स्वयं की घोषणा से महानता सिद्ध नहीं होती। इतिहास में वही लोग अमर हुए हैं जिन्होंने अपने ज्ञान को सेवा का माध्यम बनाया, न कि अहंकार का हथियार। समाज में कई ऐसे उदाहरण मिलते हैं जहाँ साधारण पृष्ठभूमि से आए लोगों ने बड़ी सफलताएँ प्राप्त कीं, लेकिन उनकी विनम्रता ने उन्हें और भी महान बना दिया। वहीं अनेक ऐसे लोग भी हुए जिनकी प्रतिभा असाधारण थी, परंतु अहंकार ने उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल कर दिया। इसलिए सफलता का वास्तविक अर्थ केवल ऊंचे पद या प्रसिद्धि प्राप्त करना नहीं, बल्कि उस ऊंचाई पर पहुंचकर भी अपने संस्कारों और विनम्रता को सुरक्षित रखना है। यह सत्य जीवन के हर क्षेत्र पर लागू होता है। परिवार में भी यदि कोई व्यक्ति अपनी कमाई, शिक्षा या पद का अहंकार करने लगे, तो रिश्तों में दूरी आने लगती है। कार्यस्थल पर अहंकार सहयोग की भावना को समाप्त कर देता है। समाज में अहंकार संवाद के द्वार बंद कर देता है। इसलिए व्यक्ति को हमेशा यह याद रखना चाहिए कि सम्मान मांगने से नहीं, बल्कि व्यवहार से प्राप्त होता है। हुनर ईश्वर या प्रकृति का दिया हुआ एक वरदान है। इसका उद्देश्य समाज को बेहतर बनाना, दूसरों का मार्गदर्शन करना और स्वयं को निरंतर विकसित करना है। यदि यह हुनर विनम्रता के साथ जुड़ा रहे तो व्यक्ति को महान बना देता है, लेकिन यदि इसके साथ अहंकार जुड़ जाए तो यही हुनर उसके पतन का कारण बन सकता है।

अंततः जीवन का सार यही है कि अपनी प्रतिभा पर विश्वास रखें, लेकिन उसे घमंड में परिवर्तित न होने दें। तैराक की तरह परिस्थितियों के साथ लचीले बनें, वृक्ष की तरह फल आने पर झुकें और विद्यार्थी की तरह सीखते रहें। क्योंकि इतिहास यह बताता है कि इंसान को उसका हुनर नहीं डुबोता, बल्कि उस हुनर का अहंकार डुबोता है। विनम्रता ही वह नाव है जो प्रतिभा को सफलता के महासागर में सुरक्षित किनारे तक पहुंचाती है।

ग्राम पंचायतों में गोल मोहर का संकट, अग्निवीर अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन पर मंडराया खतरा

अंतिम चयन के बाद भी परेशान युवा, प्रशासनिक अस्पष्टता से बढ़ी अभ्यर्थियों और अभिभावकों की चिंता

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं

अग्निवीर भर्ती में चयनित युवाओं को इन दिनों दस्तावेज सत्यापन के दौरान गंभीर प्रशासनिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम पंचायतों में गोल मोहर उपलब्ध नहीं होने के कारण कई अभ्यर्थियों के चरित्र प्रमाण पत्र अधूरे रह गए हैं और उन्हें कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।अग्निवीर भर्ती में लिखित परीक्षा, शारीरिक दक्षता परीक्षण और अन्य कठिन चरणों को सफलतापूर्वक पार कर अंतिम चयन तक पहुंचे युवाओं के सामने अब दस्तावेज सत्यापन की नई चुनौती खड़ी हो गई है। ग्राम पंचायतों में कार्यालय की गोल मोहर और अधिकृत पदाधिकारी की मोहर को लेकर बनी प्रशासनिक अस्पष्टता के कारण अनेक अभ्यर्थियों के आवश्यक दस्तावेज प्रमाणित नहीं हो पा रहे हैं। सेना भर्ती के लिए जारी दिशा-निर्देशों में अविवाहित चरित्र प्रमाण पत्र को ग्राम पंचायत द्वारा सत्यापित करना अनिवार्य बताया गया है। नोटिफिकेशन में कार्यालय ग्राम पंचायत की गोल मोहर तथा सरपंच अथवा अधिकृत अधिकारी की पद मोहर सहित प्रमाणन का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। इतना ही नहीं, निर्धारित प्रारूप में भी गोल मोहर और पद मोहर का नमूना प्रदर्शित किया गया है।

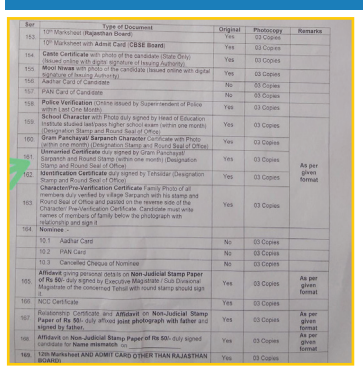

अंतिम चयन के बाद बढ़ी धड़कनें

अग्निवीर भर्ती में सफलता प्राप्त करने वाले युवाओं और उनके अभिभावकों का कहना है कि वर्षों की मेहनत, प्रतियोगी परीक्षा और शारीरिक परीक्षण के बाद जब अंतिम चयन हुआ तो उम्मीदें जागीं, लेकिन अब केवल एक मोहर और दस्तावेज सत्यापन की समस्या के कारण भविष्य अधर में लटकता दिखाई दे रहा है।

प्रशासन तक पहुंचा मामला

समस्या की गंभीरता को देखते हुए भीम प्रज्ञा द्वारा जिला प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित किया गया। झुंझुनूं जिला कलक्टर अरुण कुमार गर्ग को दूरभाष पर स्थिति से अवगत कराया गया। जिला कलक्टर ने मामले की गंभीरता को समझते हुए जिला परिषद को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी परशुराम धानुका से संपर्क किया गया। उन्होंने बताया कि इस प्रकार का मामला पहली बार उनके संज्ञान में आया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अधिकांश ग्राम पंचायतों में गोल मोहर की नियमित उपयोगिता नहीं होने के कारण कई पंचायतों में यह उपलब्ध ही नहीं है। वहीं जहां प्रशासकीय व्यवस्था लागू है, वहां भी नई मोहरों और अधिकारों को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने संबंधित पंचायत समिति विकास अधिकारियों से समन्वय कर समस्या के समाधान का आश्वासन दिया।

बड़ा सवाल: जिम्मेदार कौन?

यह पूरा मामला प्रशासनिक समन्वय की कमी और स्पष्ट दिशा-निर्देशों के अभाव की ओर संकेत करता है। सवाल यह है कि जब भर्ती प्रक्रिया में ग्राम पंचायत की गोल मोहर अनिवार्य बताई गई है, तो पंचायतों में इसकी उपलब्धता और उपयोगिता को लेकर स्पष्ट व्यवस्था क्यों नहीं बनाई गई?

क्षेत्र के अभ्यर्थियों और अभिभावकों ने जिला प्रशासन तथा पंचायतीराज विभाग से मांग की है कि तत्काल स्पष्ट आदेश जारी कर सभी ग्राम पंचायतों को आवश्यक निर्देश दिए जाएं, ताकि किसी भी चयनित युवा का भविष्य केवल एक मोहर के अभाव में प्रभावित न हो।

प्रशासनिक जवाब इनका

'अग्निवीर अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन में ग्राम पंचायत की गोल मोहर एवं प्रमाणन से संबंधित समस्या का मामला हमारे संज्ञान में आया है। कई ग्राम पंचायतों में कार्यालयीन मोहर की उपलब्धता एवं उपयोग को लेकर भ्रम की स्थिति प्रतीत हो रही है। संबंधित विकास अधिकारियों से जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। हमारा प्रयास रहेगा कि किसी भी चयनित अभ्यर्थी को दस्तावेज सत्यापन में अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े और समयबद्ध तरीके से समस्या का समाधान किया जाए।'

-परसाराम धानुका, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद झुंझुनू

'अग्निवीर अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन में ग्राम पंचायत की मोहर संबंधी समस्या का मामला संज्ञान में आया है। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। किसी भी पात्र अभ्यर्थी को तकनीकी कारणों से परेशानी नहीं होने दी जाएगी तथा नियमानुसार आवश्यक समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।'

-अरुण कुमार गर्ग, जिला कलेक्टर, झुंझुनूं

बढ़ी समय सीमा, फिर भी समाधान का इंतजार

जानकारी के अनुसार दस्तावेज सत्यापन की अंतिम तिथि पहले 1 जून निर्धारित थी, जिसे बढ़ाकर 6 जून कर दिया गया है। इसके बावजूद अनेक पंचायतों में गोल मोहर और प्रमाणन प्रक्रिया को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होने से अभ्यर्थियों की परेशानी बरकरार है।

पंचायतों में प्रशासनिक असमंजस, अभ्यर्थी परेशान

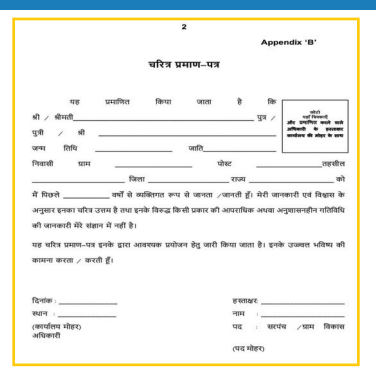

प्रदेश में पंचायत चुनाव समय पर नहीं होने के कारण अनेक ग्राम पंचायतों में निर्वाचित सरपंच नहीं हैं। कहीं प्रशासक नियुक्त किए गए हैं तो कई स्थानों पर प्रशासकीय व्यवस्था में बदलाव हो चुका है। ऐसी स्थिति में कई पंचायतों के अधिकारी और प्रशासक दस्तावेज प्रमाणित करने से बच रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि वे ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और अन्य प्रशासनिक कार्यालयों के लगातार चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें स्पष्ट समाधान नहीं मिल रहा। भर्ती प्रक्रिया की समय-सीमा नजदीक आने से उनकी चिंता लगातार बढ़ रही है।

इनका कहना है-

'अग्निवीर भर्ती के लिए मांगे जा रहे अविवाहित चरित्र प्रमाण पत्र में कार्यालय ग्राम पंचायत की गोल मोहर लगाने का प्रावधान बताया जा रहा है, लेकिन वर्तमान में ग्राम पंचायत में गोल मोहर उपलब्ध नहीं है। पंचायत चुनाव नहीं होने तथा प्रशासकीय व्यवस्था लागू होने के कारण मोहर और प्रमाणन प्रक्रिया को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं। बिना सक्षम आदेश के दस्तावेज प्रमाणित करने में भविष्य में आपत्ति की संभावना रहती है। जैसे ही उच्च अधिकारियों से स्पष्ट निर्देश प्राप्त होंगे, नियमानुसार अभ्यर्थियों के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।'

पंचायत प्रशासक/सरपंच (सविता बोहरा) पचेरी कला

समस्या से राहत

हमने लंबे समय तक कठिन मेहनत कर लिखित परीक्षा, शारीरिक दक्षता परीक्षा और मेडिकल प्रक्रिया पूरी कर अंतिम चयन हासिल किया है। अब दस्तावेज सत्यापन के दौरान ग्राम पंचायत की गोल मोहर और प्रमाणन को लेकर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई कार्यालयों के चक्कर लगाने के बावजूद स्पष्ट समाधान नहीं मिल रहा। हमारी मांग है कि प्रशासन जल्द दिशा-निर्देश जारी कर समस्या का समाधान करे, ताकि किसी भी अभ्यर्थी का भविष्य प्रभावित न हो।'

-ऋतिक अग्निवीर अभ्यर्थी

एक्सपर्ट व्यू

राजस्थान पंचायती राज नियम, 1996 के नियम 317 में स्पष्ट प्रावधान है कि ग्राम पंचायत, पंचायत समिति एवं जिला परिषद की कार्यालयीन तथा पदाधिकारियों की मोहर होगी, जो संबंधित पंचायतीराज संस्था की संपत्ति मानी जाएगी। इसलिए ग्राम पंचायत में कार्यालय की मोहर रखने एवं उसका उपयोग करने का विधिक प्रावधान मौजूद है। अग्निवीर भर्ती के दस्तावेज सत्यापन में उत्पन्न समस्या मुख्य रूप से नियमों की जानकारी के अभाव और प्रशासनिक भ्रम के कारण सामने आ रही है। जिला प्रशासन एवं पंचायतीराज विभाग को तत्काल स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर अभ्यर्थियों की समस्या का समाधान करना चाहिए, ताकि किसी भी चयनित युवा का भविष्य केवल मोहर संबंधी तकनीकी कारणों से प्रभावित न हो।

-एडवोकेट हरेश पंवार, मास्टर ट्रेनर पंचायतीराज संस्थान

भिर्र गांव के सात युवाओं का अग्निवीर में चयन, ग्रामीणों ने किया सम्मान

पूर्व सैनिकों के मार्गदर्शन और युवाओं की मेहनत लाई रंग, गांव में खुशी की लहर

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

झुंझुनूं जिले का भिर्र गांव एक बार फिर अपनी गौरवशाली सैन्य परंपरा के कारण चर्चा में है। गांव के सात युवाओं का भारतीय सेना की अग्निवीर योजना में चयन होने पर पूरे गांव में खुशी और उत्साह का माहौल है। बुधवार को गांव के खेल मैदान में आयोजित सम्मान समारोह में युवा संगठन एवं ग्रामीणों ने चयनित युवाओं का माल्यार्पण कर स्वागत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ग्रामीणों ने बताया कि भिर्र गांव की मिट्टी में देश सेवा का जज्बा रचा-बसा है। चयनित युवाओं ने कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगन के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। उनकी सफलता के पीछे गांव के पूर्व सैनिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जो सेवानिवृत्ति के बाद भी युवाओं को सेना भर्ती की तैयारी के लिए शारीरिक एवं मानसिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। पूर्व सैनिक नियमित रूप से खेल मैदान में युवाओं का मार्गदर्शन करते हैं और उनमें राष्ट्रसेवा की भावना विकसित कर रहे हैं। इसी का परिणाम है कि गांव के युवा लगातार भारतीय सेना और विभिन्न सुरक्षा बलों में चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि भिर्र गांव को सैनिकों के गांव के रूप में पहचान मिली हुई है। यहां अधिकांश परिवारों से एक या अधिक सदस्य भारतीय सेना अथवा सुरक्षा बलों में सेवाएं देकर देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं। ग्रामीणों ने चयनित युवाओं की इस उपलब्धि को पूरे गांव के लिए गर्व का विषय बताया। इस मौके पर विकास फौजी, उतम शर्मा, सुभाष साहब, कृष्ण मान, रघुवीर सांगवान, विक्रम मान, विकास श्योराण, नवीन समेत युवाओं की उपस्थिति रही।

चालान नहीं, गुलाब से समझाइश: चिड़ावा में ट्रेनी RPS अंबिका चौधरी का गांधीवादी अंदाज

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

सड़क सुरक्षा को लेकर चिड़ावा पुलिस ने मंगलवार शाम को एक अनोखी और दिल जीतने वाली मिसाल पेश की। यातायात नियमों को तोड़ने वालों पर डंडा चलाने या भारी-भरकम चालान काटने के बजाय पुलिस ने गांधीवादी रास्ता चुना। पुलिस चौकी के सामने चले इस विशेष अभियान में नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों को लाल गुलाब का फूल भेंट कर यातायात नियमों की पालना करने की भावुक अपील की गई। ट्रेनी आरपीएस अधिकारी एवं थानाधिकारी अंबिका चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सड़क पर उतरकर मोर्चा संभाला। अभियान के दौरान जहां एक ओर हेलमेट न पहनने, सीट बेल्ट की अनदेखी करने और मोबाइल पर बात करते हुए गाड़ी चलाने वालों को गुलाब देकर उनकी गलती का अहसास कराया गया, वहीं दूसरी ओर नियमों का पालन करने वाले अनुशासित चालकों को पुलिस ने 'थम्ब्स अप' देकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस मानवीय और सकारात्मक पहल की राहगीरों ने जमकर सराहना की। अभियान में एसआई कैलाशचंद्र सहित पूरी पुलिस टीम मुस्तैद रही। पुलिस का यह 'गुलाब संदेश' शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

इस अभियान का उद्देश्य डर पैदा करना नहीं, बल्कि लोगों की सोच बदलना है। यातायात नियमों की पालना केवल कानूनी मजबूरी नहीं, बल्कि आपकी और आपके परिवार की सुरक्षा का कवच है।'
– अंबिका चौधरी, ट्रेनी RPS

15 दिवसीय अभिरुचि शिविर का समापन, विद्यार्थियों ने सीखे नए कौशल

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

पीएम श्री महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम शहीद कुलदीप सिंह राव राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, घरडाना खुर्द में कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थियों के समग्र विकास के उद्देश्य से आयोजित 15 दिवसीय अभिरुचि शिविर (समर कैंप) का समापन किया गया। कैंप प्रभारी व्याख्याता अंजु ने बताया कि राजस्थान के सभी पीएम श्री विद्यालयों में 16 मई से 20 जून 2026 तक इस शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की अभिरुचियों, रचनात्मकता और छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारना है, ताकि विद्यालय को आनंददायक एवं अनुभवात्मक शिक्षण केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकें। शिविर के दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों के माध्यम से सीखने का अवसर मिला। नृत्य प्रशिक्षकों ने बच्चों को नृत्य की विभिन्न विधाओं एवं उनके महत्व से अवगत कराया। बाहरी प्रशिक्षक सरजीत राव ने योग एवं प्राणायाम का प्रशिक्षण दिया, जबकि विकास राव ने विद्यार्थियों को नाटक और स्थानीय कला के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। वहीं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अनिल राव ने बेसिक डिजिटल साक्षरता और आत्मविश्वास बढ़ाने से संबंधित जागरूकता सत्र आयोजित कर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य ओम प्रकाश पूनिया ने विद्यार्थियों को शिविर में सीखी गई गतिविधियों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में दिव्या, ज्योति, पूर्वी, तन्वी, येशिका, खुशिका, खुशी, मीनाक्षी, प्रिया, अंशु, पूजा, निशा, सीमा, मुकेश सहित अनेक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय परिवार ने शिविर को विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और कौशल संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं , लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

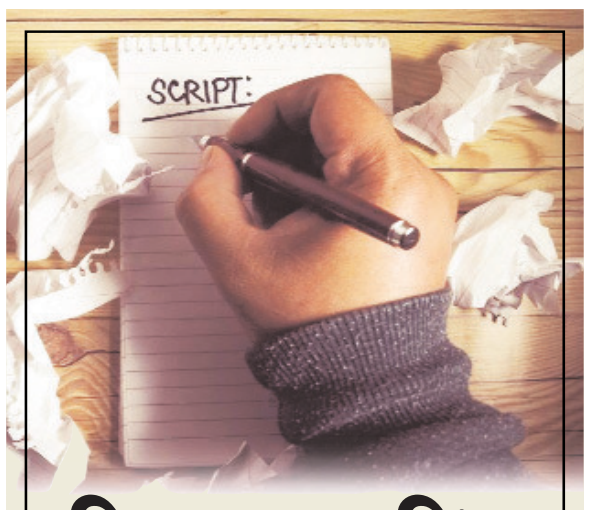

स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढ़ने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढ़ने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।
बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है।
जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।
कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं। मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।
जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णत- व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।
यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढिया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।
देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं।
अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।
प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

जेईई एडवांस 2026 में लोहियम करियर इंस्टिट्यूट का जलवा, तीन विद्यार्थियों ने हासिल की शानदार रैंक

निकेश ने OBC-NCL में 819वीं, प्रियंका ने 1671वीं रैंक हासिल की, उषा ने एससी वर्ग में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

मेहनत, मार्गदर्शन और दृढ़ संकल्प का संगम जब सफलता में बदलता है, तो ऐसे ही परिणाम जन्म लेते हैं। लोहियम करियर इंस्टिट्यूट के इन होनहार विद्यार्थियों ने साबित कर दिया कि छोटे शहरों की प्रतिभाएं भी राष्ट्रीय मंच पर अपनी अलग पहचान बना सकती हैं। प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस 2026 के परिणामों में लोहियम करियर इंस्टिट्यूट, चिड़ावा के विद्यार्थियों ने शानदार सफलता हासिल कर संस्थान, परिवार और पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। कठिन प्रतिस्पर्धा वाली इस परीक्षा में संस्थान के तीन विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए सफलता का परचम लहराया है।

संस्थान के छात्र निकेश प्रजापत पुत्र नत्थुराम ने ओबीसी- एनसीएल श्रेणी में 163 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक 819 हासिल की। वहीं छात्रा प्रियंका पुत्री विनोद ने 142 अंक अर्जित करते हुए ओबीसी- एनसीएल श्रेणी में 1671वीं रैंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इसके अलावा उषा पुत्री सुभाष निवासी अडूका ने एससी श्रेणी में 5384वीं रैंक हासिल कर सफलता की नई मिसाल कायम की। परिणाम घोषित होते ही विद्यार्थियों के परिवारों में खुशी की लहर दौड़ गई। परिजनों ने मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया, वहीं क्षेत्रभर से सफल विद्यार्थियों को बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि को देखकर अन्य छात्र-छात्राओं में भी उत्साह और प्रेरणा का माहौल देखने को मिला। संस्थान परिवार ने इस सफलता को विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अनुशासित अध्ययन और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम बताया। संस्थान के चेयरमैन राम सिंह नेहरा ने कहा कि लोहियम करियर इंस्टिट्यूट पिछले तीन वर्षों से जेईई और नीट परीक्षाओं में लगातार उत्कृष्ट परिणाम देकर क्षेत्र की शैक्षणिक पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में भी संस्थान के विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराते रहेंगे।संस्थान के निदेशक जगपाल सिंह यादव ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि केवल तीन विद्यार्थियों की सफलता नहीं, बल्कि पूरे संस्थान की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि इन विद्यार्थियों की सफलता आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनेगी और उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर मेहनत करने का संदेश देगी। इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय सिंह बडेसरा, संस्था सचिव प्रदीप नेहरा, चेयरपर्सन ममता नेहरा, प्रधानाचार्य प्रमिला झाझड़िया, प्रिंसिपल प्रमोदिनी दुबे, गुलजार खान, पूरणमल गजराज, प्रदीप सोनी, श्याम सुंदर मिश्रा, राकेश कुमावत, कुलदीप कनोडिया सहित संस्थान का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा और विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की।

चिड़ावा के श्योपुरा ग्राउंड में बालाजी क्रिकेट टूर्नामेंट हुआ समापन

भाजपा युवा नेता सुरेश भूकर ने विजेता -उपविजेता टीम को किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

टॉस जीतकर ए.यू. बैंक चिड़ावा की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 136 रनों का लक्ष्य रखा। नंदी गौशाला की टीम ने इस लक्ष्य को 137 रन बनाकर 9 विकेट से हासिल कर मैच जीता। समापन समारोह में मुख्य अतिथि भाजपा युवा नेता सुरेश भूकर रहे। उन्होंने विजेता नंदी गौशाला टीम और उपविजेता ए.यू. बैंक चिड़ावा टीम को पुरस्कृत किया। इस मौके पर युवा उद्यमी दिनेश दाधिच भी उपस्थित रहे। सुरेश भूकर ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि खेल अनुशासन, मेहनत और टीम भावना सिखाता है तथा सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। युवा की ऊर्जा को सही दिशा देने की जरूरत है। टूर्नामेंट में कुल 32 टीमों ने भाग लिया। इस अवसर पर आयोजक कमेटी से विनोद सैनी, विशाल निर्मल (बिल्ला), रजनीत बाटेडिया, अंकित, रजत, नितेश डाँगी, आलोक, विक्रांत, आकाश, जतिन एवं बालाजी क्रिकेट टूर्नामेंट के सदस्य व साथीगण मौजूद रहें।

शहीदों का सम्मान राष्ट्र का कर्तव्य: लूमास में मनाया सीआरपीएफ जवान जयसिंह बुगालिया का शहादत दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । निकटवर्ती लूमास गांव में मंगलवार को सीआरपीएफ के शहीद सिपाही जयसिंह बुगालिया का शहादत दिवस पूरे सम्मान और गौरव के साथ मनाया गया। देश सेवा के दौरान 2 जून 1995 को आतंकवादियों से लोहा लेते हुए वीरगति प्राप्त करने वाले शहीद जयसिंह बुगालिया की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, पूर्व सैनिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सीआरपीएफ के सेवानिवृत्त आईजी छाजूराम उपस्थित रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीएसएफ के सेवानिवृत्त डिप्टी कमांडेंट प्रताप सिंह खीचड़ ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मोहम्मद सादिक, विनोद मुंड, नरेंद्र ढाका तथा सीएपीएफ जिला अध्यक्ष विद्याधर सिंह दुलड़ सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहें। कार्यक्रम के दौरान शहीद के माता-पिता मोहिनी देवी और हरदेव सिंह बुगालिया का शॉल ओढ़ाकर एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। उपस्थित लोगों ने भारत माता के जयघोष के साथ शहीद की वीरता और देशभक्ति को याद किया। इस अवसर पर शहीद की पुत्री अमिता ने मंच से भावुक होकर कहा कि उनके पिता ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया, लेकिन आज भी परिवार कई मूलभूत सुविधाओं और सरकारी सहायता से वंचित है। उन्होंने सरकार से मांग की कि गांव के विद्यालय का नाम शहीद जयसिंह बुगालिया के नाम पर रखा जाए, गांव में उनकी प्रतिमा स्थापित की जाए तथा परिवार के आश्रित को सरकारी नौकरी दी जाए। वक्ताओं ने कहा कि शहीद परिवारों का सम्मान और उनकी समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शहीदों के बलिदान की बदौलत ही देश सुरक्षित है और आने वाली पीढ़ियों को उनके त्याग से प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में वीरांगना संजू टीटनवाड़, ओमप्रकाश दुलड़, हरफूल सिंह तथा अजमेर से आए सीआरपीएफ इंस्पेक्टर रामस्वरूप महला सहित कई अतिथि मंचासीन रहे। समारोह का संचालन विजयहिंद जालीमपुरा ने किया। इस अवसर पर इस अवसर पर समुद्र सिंह निर्बाण, बजरंग सिंह शेखावत, ओमप्रकाश शर्मा, केशरदेव शर्मा, सावरमल गोदारा, विद्याधर कालेर, रामनिवास कालेर, किशना राम हुड्डा, संजीव गोदारा, करनाराम बुगालिया, सुभाष साईं, बाबूलाल सैनी, राजेश सैनी, अरविंद शेखावत, जगदीश गोदारा, रणवीर गोदारा, बलवीर गोदारा, दयानंद जांगिड़, प्रकाश साईं, कैलाशचंद जांगिड़ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं और पूर्व सैनिकों ने भाग लेकर शहीद जयसिंह बुगालिया को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

भिवाड़ी-खैरथल पुलिस का 'ऑपरेशन म्यूल हंटर' सफल: 2 महीने में 116 साइबर ठग गिरफ्तार, करोड़ों की ठगी का भंडाफोड़

भीम प्रज्ञा न्यूज.भिवाड़ी/खैरथल-तिजारा।

रमेश चन्द । राजस्थान पुलिस के महानिदेशक साइबर क्राइम एवं महानिरीक्षक जयपुर रेंज राहुल प्रकाश आईपीएस के निर्देश पर साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान 'ऑपरेशन म्यूल हंटर' में भिवाड़ी-खैरथल पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। 1 अप्रैल से 31 मई 2026 तक चले इस अभियान में पुलिस ने 60 प्रकरण दर्ज कर 116 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 161 मोबाइल, 181 सिम कार्ड, 7 एटीएम कार्ड, 5 चेक बुक, 3 पासबुक, 14,500 रुपये नकद और एक थार कार बरामद की गई है। पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय आईपीएस के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लाल मीणा, किशोर बुटालिया, वृताधिकारी कैलाश चौधरी, शिवराज सिंह, आरपीएस शीशराम मीणा, जया सिंह और लालसिंह के सुपरविजन में साइबर सेल भिवाड़ी व खैरथल-तिजारा की तकनीकी मदद से भिवाड़ी, चौपानकी, टपूकड़ा, शेखपुर अहीर, तिजारा, जैरोली, किशनगढ़ बास, कोटकासिम, खैरथल, तातारपुर थाना पुलिस ने साइबर अपराधियों के ठिकानों पर दबिश देकर कड़ी कार्रवाई की। जांच में सामने आया कि आरोपी आमजन के खाते किराए पर लेकर करोड़ों रुपये का लेन-देन कर रहे थे। साइबर ठग फर्जी वेबसाइट, 'घर बैठे जॉब ', 'पेन-पेंसिल पैकिंग ', 'इनकम टैक्स ऑफिसर बनकर ब्लैकमेलिंग ', 'सस्ते लैपटॉप' और टेलीग्राम- व्हाट्सएप पर 'इन्वेस्टमेंट-टास्क' के नाम पर लोगों को ठग रहे थे। पुलिस ने बताया कि ठगों को बैंक खाते और सिम कार्ड की जरूरत होती है, जो ये दलालों के जरिए भोले-भाले लोगों को झांसा देकर, प्रलोभन देकर हासिल करते हैं। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि कोई भी व्यक्ति अपना बैंक खाता, सिम कार्ड, पासवर्ड या ओटीपी किसी को न दे और किसी भी लालच में न आए। साइबर ठगी होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराएं।

मंडावा में जनगणना कार्यों का निरीक्षण, ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी ने जल संरक्षण का दिया संदेश

जनगणना के साथ जल बचाने की मुहिम, सांख्यिकी अधिकारी शारदा ने प्रगणकों को किया जागरूक

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा क्षेत्र में चल रहे जनगणना कार्यों का मंगलवार को ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी शारदा देवी ने विभिन्न वार्डों एवं जनगणना ब्लॉकों का निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जनगणना कार्य की प्रगति, सूचना संकलन की गुणवत्ता तथा फील्ड स्तर पर आ रही समस्याओं की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान शारदा देवी ने पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों से कहा कि जनगणना देश का महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक परिवार से सही, सटीक एवं तथ्यात्मक जानकारी एकत्रित की जाए, ताकि भविष्य की योजनाओं के लिए विश्वसनीय आंकड़े तैयार हो सकें। उन्होंने आमजन से भी जनगणना कार्य में सहयोग करने की अपील की। भीषण गर्मी के मद्देनजर उन्होंने जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों को स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि फील्ड में लगातार कार्य करने वाले कार्मिक पर्याप्त पानी पिएं, धूप से बचाव के उपाय अपनाएं तथा समय-समय पर विश्राम भी करें। स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता देना आवश्यक है, ताकि कार्य सुचारु रूप से संपन्न हो सके। ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी ने निरीक्षण के दौरान जनगणना किए जा रहे घरों में पहुंचकर दर्ज की गई जानकारियों का सत्यापन भी किया। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र सरकार के 'वंदे भारत जल संरक्षण' अभियान के तहत आमजन को जल बचाने का संदेश देते हुए कहा कि वर्तमान समय में जल संरक्षण सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। यदि अभी से पानी बचाने के प्रयास नहीं किए गए तो आने वाले समय में जल संकट और गंभीर हो सकता है। उन्होंने प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों से आह्वान किया कि वे जनगणना कार्य के साथ-साथ ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक भी करें। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को पानी की एक-एक बूंद का महत्व समझना होगा तथा जल बचाने की आदत को जनआंदोलन बनाना होगा। निरीक्षण दल में ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी कार्यालय मंडावा की शारदा देवी, सुपरवाइजर सुरेश कुमार भालोतिया सहित जनगणना प्रकोष्ठ के प्रगणक एवं अन्य कार्मिक मौजूद रहें।

जयसिंहपुरा के पास पेट्रोल-डीजल से भरा टैंकर पलटा, घंटों लगा रहा जाम, बड़ा हादसा टला

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

बुहाना थाना क्षेत्र के जयसिंहपुरा गांव के निकट सोमवार देर रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब पेट्रोल-डीजल से भरा एक टैंकर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसा रात करीब 12 बजे हुआ। टैंकर बुहाना से सूरजगढ़ की ओर जा रहा था। दुर्घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और राहत कार्य शुरू किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टैंकर के पलटते ही सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। पेट्रोल और डीजल से भरे टैंकर के पलटने की खबर आसपास के क्षेत्र में तेजी से फैल गई, जिसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर एकत्र हो गए। लोगों में आशंका थी कि यदि टैंकर में आग लग जाती या कोई अन्य दुर्घटना हो जाती तो बड़ा नुकसान हो सकता था। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए टैंकर चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद टैंकर को सड़क से हटाने के लिए क्रेन मंगवाई गई। करीब तीन से चार क्रेनों की मदद से काफी मशक्कत के बाद टैंकर को सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर खड़ा कराया गया। इस दौरान यातायात प्रभावित रहा और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलने पर बुहाना थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के बीच यातायात को नियंत्रित किया तथा टैंकर को सुरक्षित स्थान पर खड़ा करवाकर सड़क मार्ग को सुचारू कराया। कई घंटों की मशक्कत के बाद यातायात सामान्य हो सका। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई और न ही किसी प्रकार का विस्फोट या आगजनी की घटना हुई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते राहत कार्य नहीं किया जाता तो यह दुर्घटना बड़े हादसे का रूप ले सकती थी।पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा टैंकर पलटने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। प्रारंभिक तौर पर चालक का वाहन पर नियंत्रण खोना दुर्घटना का कारण माना जा रहा है।

बालाजी मंदिर श्यालु कला में हुआ भवन का लोकार्पण

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

बालाजी मंदिर श्यालु कला में नव निर्मित भवन का मंगलवार को लोकार्पण कार्यक्रम हुआ। भवन का लोकार्पण मुख्य अतिथि भाजपा नेता राजेश ने फीता काट कर किया। नव भवन का निर्माण सहिन्द्र शर्मा व उनकी धर्मपत्नी सुमन शर्मा ने अपनी 25वीं शादी की सालगिरह के अवसर पर बालाजी मंदिर को समर्पित किया। इस अवसर पर चिड़ावा नगर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर , पूर्व मंडल अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, चिड़ावा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विकास स्वामी, श्रवण भालोठिया, किशोरी लाल, रामकिशन शर्मा, शिव कुमार शर्मा, निखिल शर्मा, दलीप पायल, जीतम जी, श्रवण शर्मा, नवल राजपूत, संजय कसवा, प्रीतम थलोर, सतवीर, भरत सिंह शेखावत, प्रदीप सहित गणमान्य नागरिक बंधु व मातृ शक्ति उपस्थित रहें।

तेज रफ्तार वाहनों से बढ़ा हादसों का खतरा, वार्डवासियों ने स्पीड ब्रेकर की मांग उठाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

चिड़ावा शहर के स्टेशन चौराहा से गाडिया हाउस मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। घनी आबादी वाले इस रिहायशी क्षेत्र में आए दिन वाहन चालकों द्वारा तेज गति से वाहन चलाने से स्थानीय नागरिकों में चिंता और रोष व्याप्त है। इसी समस्या को लेकर वार्ड संख्या 09 के निवासियों ने उपखंड अधिकारी (एसडीएम) को प्रार्थना-पत्र सौंपकर मार्ग पर आवश्यक स्थानों पर स्पीड ब्रेकर (गति अवरोधक) बनवाने की मांग की है। वार्डवासियों का कहना है कि यह सड़क मुख्य आवासीय क्षेत्र से होकर गुजरती है, जहां दिनभर बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों की आवाजाही बनी रहती है। इसके बावजूद कई वाहन चालक यातायात नियमों की अनदेखी कर तेज गति से वाहन दौड़ाते हैं, जिससे हर समय किसी बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से जनसुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जल्द आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। जनहित में उठाई गई इस मांग के दौरान घनश्याम, योगी, विनोद कुमार, अमित सैनी, गोलू, दिनेश, नरेंद्र सिंह और कपिल सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद रहे। नागरिकों ने उपखंड अधिकारी से मार्ग का शीघ्र निरीक्षण करवाकर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए स्पीड ब्रेकर निर्माण सहित आवश्यक सुरक्षा उपाय लागू करने की अपील की है।

मलसीसर डैम पर हुआ जलाशय पूजन, जल संरक्षण का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत मंगलवार को मलसीसर डैम पर पीएचईडी प्रोजेक्ट एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में जलाशय पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों तथा अभियान से जुड़े पदाधिकारियों ने भाग लेकर जल संरक्षण का संदेश दिया और जल स्रोतों के संरक्षण के लिए जनभागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया। पीएचईडी प्रोजेक्ट के अधीक्षण अभियंता दलीप तारग ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा जल संसाधनों के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम के दौरान विधिवत जलाशय पूजन किया गया और जल के महत्व तथा उसके संरक्षण की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पुरुषोत्तम धानका ने कहा कि राज्य सरकार जल संरक्षण एवं जल संसाधनों के संवर्धन के लिए विभिन्न योजनाओं और अभियानों के माध्यम से लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जल संकट से निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है तथा वर्षा जल संचयन और पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देना होगा। पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार ने कहा कि जल संरक्षण की शुरुआत प्रत्येक व्यक्ति को अपने घर से करनी चाहिए। उन्होंने जल को जीवन का आधार बताते हुए इसके सदुपयोग और संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। कार्यक्रम में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के जिला संयोजक राकेश शर्मा एवं जिला समन्वयक विशंभर पूनिया ने भी अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए अधिकाधिक जनभागीदारी की अपील की।इस अवसर पर जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामनिवास चौधरी, जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह, भूजल वैज्ञानिक अतुल धवन, मंडावा बीडीओ अमित चौधरी, अलसीसर बीडीओ ममता चौधरी, मलसीसर तहसीलदार इमरान खान, बिसाऊ तहसीलदार शेर सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में जल संरक्षण का संकल्प दिलाया गया तथा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

कलियुग में गृहस्थ का सबसे बड़ा यज्ञ श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ- तिवाड़ी

पुरुषोत्तम मास में सेहीकलां में प्रारंभ हुई श्रीमद्भागवत महापुराण महाज्ञान यज्ञ

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

क्षेत्र के सेहीकलां ग्राम में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच नेत दादा मंदिर परिसर में पवित्र श्रीमद्भागवत महापुराण महाज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हुआ। कथा से पूर्व नेत दादा मंदिर में भागवत की शोभा यात्रा निकाली गयी जिसमे महिलाओं ने सिर पर कलश धारण करके भाग लिया। कथा के प्रथम दिवस व्यास पीठ से प्रवचन देते हुए वाणी भूषण पंडित प्रभुशरण तिवाड़ी ने कहाँ की श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ कलियुग में गृहस्थ का सबसे बड़ा यज्ञ है। भागवत जीना एवं मरना दोनों सिखाती है। भागवत यह बतलाती है की गृहस्थ में रह कर भगवान को कैसे प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया की भागवत कोई मनोरंजन का ग्रन्थ नहीं बल्कि यह तो मन भंजन का ग्रन्थ है, भागवत बताती है कैसे मन को संसार से मुक्त कर भगवान को अर्पित करे। कथा में भागवत महात्म, राजा परिक्षित के चरित्र का वर्णन सहित अन्य प्रसंग सुनाये गये। कथा में भगवान विष्णु की सजीव झांकी का मनमोहक प्रदर्शन किया गया। कथा से पूर्व पंडित बालकिशन चौरसिया ने यजमान आज के यजमान हजारीलाल शर्मा को सपत्निक भागवत व व्यास पूजन करवाया। कथा में डॉ जगदीश प्रसाद शर्मा, अशोक शर्मा, विक्रम शर्मा, करनसिंह शेखावत, राजेंद्र सिंह शेखावत, मातुराम महरिया, संजय कुमार , भगत नत्थुराम शर्मा , जितेंद्र जांगीड, सत्यनारायण कुमावत, प्रमोद भगत, होशियारी लाल शर्मा, गजाननंद शर्मा, अनिल शर्मा, धरमसिंह शेखावत सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिला पुरुष मौजूद रहे। आयोजन समिति के प्रवक्ता डॉ. जगदीश प्रसाद शर्मा ने बताया कि 8 जून तक चलने वाले सात दिवसीय धार्मिक आयोजन का समय प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5:30 बजे तक रहेगा। कथा में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, भक्त चरित्रों एवं धर्म, भक्ति और मानव जीवन से जुड़े प्रेरणादायी प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया जाएगा।कथा स्थल को धार्मिक सजावट से भव्य रूप दिया गया है तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। ग्रामवासियों में आयोजन को लेकर उत्साह का माहौल है।

8 साल से पैरोल से फरार 15 हजार का इनामी हत्याकांड का दोषी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

बुहाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हत्या के मामले में सजायाफ्ता और पिछले 8 वर्षों से पैरोल से फरार चल रहे 15 हजार रुपये के इनामी अपराधी को दस्तयाब कर लिया है। आरोपी वर्ष 2017 में पैरोल अवकाश पर जेल से बाहर आने के बाद फरार हो गया था। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार थानाधिकारी बिमला बुडानिया के नेतृत्व में गठित टीम ने मुखबिर की सूचना और तकनीकी संसाधनों की सहायता से आरोपी प्रदीप सिंह उर्फ दीपू उर्फ लगड़िया (38) पुत्र बहादूर सिंह निवासी वार्ड नंबर 17, कस्बा बुहाना को दस्तयाब किया। आरोपी पुलिस थाना बीछवाल, जिला बीकानेर के प्रकरण संख्या 17/18 धारा 11(2)(ख) राजस्थान बंदी अधिनियम में वांछित था। उसकी गिरफ्तारी के लिए माननीय वरिष्ठ अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (पीसीएनडीटी एक्ट प्रकरण) बीकानेर द्वारा स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था।पुलिस के अनुसार आरोपी हत्या के मामले में सजायाफ्ता था और वर्ष 2017 से पैरोल पर बाहर आने के बाद फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 15 हजार रुपये का इनाम घोषित था। दस्तयाब किए जाने के बाद आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस थाना बीछवाल, बीकानेर के सुपुर्द कर दिया गया। कार्रवाई में थानाधिकारी बिमला बुडानिया, साइबर सेल झुंझुनूं के हेड कांस्टेबल जितेन्द्र थाकन, डीएसटी टीम झुंझुनूं के हेड कांस्टेबल बुलेश तथा कांस्टेबल अमित मोटसरा शामिल रहे।आरोपी की तलाश, लोकेशन ट्रेस करने और गिरफ्तारी में साइबर सेल झुंझुनूं के हेड कांस्टेबल जितेन्द्र थाकन की विशेष भूमिका रही।

ग्रामीण अंचल से उठी नेतृत्व की नई पहचान, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र भाटिया का गांव में भव्य स्वागत

दूसरी बार जिलाध्यक्ष नियुक्त होने पर ग्रामीणों ने जताया गर्व, बुजुर्गों ने दिया आशीर्वाद

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

भारतीय जनता पार्टी के झुंझुनूं जिला एससी मोर्चा के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र भाटिया का उनके पैतृक गांव महपालवास में ग्रामीणों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर गांव में उत्साह का माहौल देखने को मिला और ग्रामीणों ने माल्यार्पण कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए

शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों ने कहा कि सुरेन्द्र भाटिया ने ग्रामीण परिवेश से निकलकर अपने परिश्रम, संगठनात्मक क्षमता और सामाजिक सक्रियता के बल पर राजनीति में विशेष पहचान बनाई है। विद्यार्थी जीवन से ही उनमें नेतृत्व क्षमता दिखाई देती रही है। विभिन्न सामाजिक एवं जनहित संगठनों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए उन्होंने समाज सेवा और संगठन निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। दूसरी बार भाजपा एससी मोर्चा के जिलाध्यक्ष नियुक्त होने पर गांववासियों ने इसे पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया। इस दौरान गांव के बुजुर्गों ने भाटिया को आशीर्वाद देते हुए सामाजिक समरसता, संगठन की मजबूती और जनसेवा के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं।

अपने संबोधन में सुरेन्द्र भाटिया ने ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ किया जाएगा। उन्होंने समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा सामाजिक सद्भाव और विकास की भावना को मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर कालूराम धानक, बीरबल धानक, निहाल सिंह धानक, जगदीश लोहान, सोमवीर भक्त, कृष्ण धानक, नारायण मेघवाल, कैलाश मेघवाल, जुगलाल मेघवाल, कश्मीर मेघवाल, गंगाधर मेघवाल, राजेश मेघवाल, मालाराम प्रजापत, विक्रम प्रजापत, मनोज जांगिड़, हवासिंह सैन, नरोत्तम लाल, इंद्राज लोहान, उमराव लोहान, राजेन्द्र डूडी, महेन्द्र लोहान, विक्रम लोहान, मनीष लोहान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहें।

भीम प्रज्ञा कविता

शाही पनीर का स्वैग

सुनो ज़रा! क्यों रोते हो,
नींबू गिरते ही धीरज खोते हो?
इस खटास से मत घबराना,
ये तो है बस एक बहाना।

डालने दे जो डाल रहे हैं,
तुझे पतीले में उबाल रहे हैं।
थोड़ा सा तू फट जाएगा,
पुरानी टेंशन सब घट जाएगा।

पर फटने के बाद जो शान होगी,
पूरी रसोई में तेरी ही पहचान होगी।
रो मत यार, तू तो विनर है,
मटर पनीर का तू ही डिनर है।

दबा के जब पानी निचोड़ा जाएगा,
तभी तो तू 'पनीर' बनके बाहर आएगा!

- क्षमा राव, मुंबई
कवयित्री

बड़बर में आम रास्ते पर जलभराव से बढ़ी परेशानी, कई बार शिकायत के बाद भी नहीं हुआ समाधान

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

उपखंड क्षेत्र के बड़बर गांव में आम रास्ते पर लंबे समय से गंदे पानी का भराव होने के कारण ग्रामीणों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। समस्या के स्थायी समाधान की मांग को लेकर ग्रामीणों ने एक बार फिर पीएचईडी विभाग के जेईएन दीपक को ज्ञापन सौंपा है। पूर्व सरपंच के पुत्र सचिन मिश्रा ने बताया कि बड़बर से ढाणी लक्ष्मण तथा बड़बर से अमरसर जाने वाले मुख्य मार्ग पर काफी समय से गंदा पानी जमा है। जलभराव के कारण राहगीरों, विद्यार्थियों, महिलाओं और बुजुर्गों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई जगहों पर स्थिति ऐसी है कि लोगों का पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर पूर्व में भी पीएचईडी

विभाग के एईएन को ज्ञापन सौंपा गया था। शिकायत के बाद एईएन स्वयं मौके पर पहुंचे थे और समस्या का निरीक्षण भी किया था, लेकिन इसके बावजूद आज तक कोई ठोस समाधान नहीं हो पाया है। विभागीय अधिकारियों द्वारा आश्वासन तो दिया गया, लेकिन जलभराव की समस्या जस की तस बनी हुई है।

ग्रामीणों का कहना है कि रास्ते में गंदा पानी भरा रहने से दुर्गंध फैल रही है तथा मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है, जिससे बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत कर आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। इस संबंध में पीएचईडी विभाग के जेईएन दीपक को ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द जलनिकासी की व्यवस्था करने और आम रास्ते को सुचारू करने की मांग की गई। ज्ञापन देने वालों में सचिन मिश्रा, जोगेन्द्र शर्मा, विकास कुमार सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहें।

पचेरी बस स्टैंड पर दक्ष प्रजापति फ्रूट भंडार ने राजगीरों को पिलाया शीतल पेयजल

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान के बीच सामाजिक सरोकार निभाते हुए पचेरी कस्बे के झुंझुनूं-दिल्ली मुख्य सड़क मार्ग स्थित बस स्टैंड पर दक्ष प्रजापति फ्रूट भंडार की ओर से राजगीरों एवं राहगीरों के लिए शीतल पेयजल सेवा का आयोजन किया गया। इस दौरान निर्माण कार्यों में लगे श्रमिकों, राजगीरों तथा बस स्टैंड पर आने-जाने वाले लोगों को ठंडा पानी पिलाकर गर्मी से राहत पहुंचाई गई। दक्ष प्रजापति फ्रूट भंडार के संचालक राहुल प्रजापत ने बताया कि इन दिनों क्षेत्र में भीषण गर्मी पड़ रही है और तापमान लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में मजदूरी कर रहे श्रमिकों एवं राहगीरों को राहत देने के उद्देश्य से शीतल पेयजल वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में प्यासे लोगों को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है और समाज के सक्षम लोगों को ऐसे सेवा कार्यों में आगे आना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने इस पहल की सराहना करते

हुए इसे मानव सेवा का श्रेष्ठ उदाहरण बताया। पेयजल वितरण के दौरान राजगीरों और राहगीरों ने भीषण गर्मी में राहत मिलने पर आयोजकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रेम, महेंद्र सिंह, विजय, रोशन, मनोज, दीपक योगी, राजीव, कुलदीप, माइकल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे और व्यवस्था में सहयोग किया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

जिला में पेट्रोल डीजल की कोई कमी नहीं, कालाबाजारी करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई- डीसी अनूपमा अंजली

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

जिलावासियों, किसानों और वाहन चालकों को पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता को लेकर पैनिक (घबराने) होने की आवश्यकता नहीं है, जिले में ईंधन की कोई कमी नहीं है और इसकी प्रतिदिन निर्बाध रूप से आपूर्ति की जा रही है। यह बात उपायुक्त अनुपमा अंजली ने आज लघु सचिवालय में पेट्रोल और डीजल की अनावश्यक बिक्री के संबंध में आयोजित सेल्स ऑफिसर और जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक की महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। बैठक के दौरान उपायुक्त ने स्थिति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने स्पष्ट किया कि जिले के सभी क्षेत्रों में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और आपूर्ति श्रृंखला पूरी तरह से सुचारू रूप से काम कर रही है। उन्होंने सहायक खाद्य आपूर्ति अधिकारी अरुण सैनी को निर्देश दिए कि जिला प्रशासन तेल

की जमाखोरी और अवैध बिक्री पर पूरी तरह से नजर रखे हुए है। यदि कोई भी व्यक्ति या एजेंसी पेट्रोल-डीजल की कालाबाजारी में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत तुरंत और सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही या अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने पुलिस अधिकारी को निर्देश दिए कि राजस्थान से सेट इलाकों पर नाकेबंदी के दौरान विशेष निगरानी की जाए ताकि डीजल व पेट्रोल की कालाबाजारी पर अंकुश लग सके।

इसके साथ ही उपायुक्त ने जिले के सभी किसानों, वाणिज्यिक वाहन चालकों और आम जनता से विशेष आह्वान किया कि वे सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से फैलने वाली किसी भी तरह की भ्रामक खबरों और अफवाहों पर ध्यान न दें। नागरिक धैर्य बनाए रखें और केवल अपनी नियमित आवश्यकता के अनुसार ही पेट्रोल-डीजल की खरीदारी करें। जिला प्रशासन आम जनता की सहूलियत के लिए पूरी तरह मुस्तैद है और जिले में ईंधन की निर्बाध आपूर्ति लगातार सुनिश्चित की जाती रहेगी। इस बैठक में नारनौल एसडीएम अनिरुद्ध यादव, डीसीपी भारत भूषण के अलावा अधिकारी व सेल्स ऑफिसर मौजूद थे।

13 दिन की चारधाम यात्रा पूरी कर उदयपुरवाटी लौटा श्रद्धालुओं का जत्था, जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । धार्मिक आस्था, दृढ़ संकल्प और दुर्गम रास्तों को पार करते हुए उदयपुरवाटी कस्बे का 17 श्रद्धालुओं का जत्था 13 दिवसीय चारधाम यात्रा सकुशल पूरी कर वापस लौट आया है। भगवान केदारनाथ और बद्री विशाल के जयकारों के साथ जैसे ही श्रद्धालुओं ने कस्बे में प्रवेश किया, परिजनों और स्थानीय लोगों ने फूल-मालाएं पहनाकर और मिठाई खिलाकर उनका जोरदार स्वागत किया। अपनों को सुरक्षित और प्रफुल्लित देखकर परिजनों की आंखें खुशी से छलक उठीं। जत्थे में ललित कुमार सोनी, रेणु सोनी, विराट सोनी, प्रणव सोनी, संदीप कुमार सोनी, रेणु सोनी, भव्य सोनी, महिमा सोनी, ओम प्रकाश शर्मा, कांता शर्मा, विकास योगी, प्रियंका योगी, रमाकांत मित्तल, ममता, अरविन्द स्वामी, सुनीता और सुधांशु स्वामी सहित कुल 17 सदस्य शामिल थे।

श्योलपुरा सड़क का रूट बदला, ग्रामीणों का प्रदर्शन:5 किमी सड़क निर्माण के लिए करीब 2 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत हुआ था, बोले-निष्पक्ष जांच हो

भीम प्रज्ञा न्यूज

जसरापुर । जसरापुर क्षेत्र के श्योलपुरा गांव में ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री सड़क योजना के तहत स्वीकृत सड़क निर्माण में अनियमितता का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

5 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए बजट स्वीकृत हुआ था - तातीजा के पूर्व सरपंच हुक्मीचंद मेहरड़ा के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में ग्रामीणों ने बताया कि साल 2023 में श्योलपुरा से गोरधनपुरा मार्ग पर तातीजा सीमा तक लगभग 5 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए

करीब 2 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत हुआ था। हालांकि विभाग ने स्वीकृत रोड पर सड़क बनाने के बजाय उसका निर्माण दूसरी दिशा में कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि राजनीतिक दबाव के चलते सड़क का रूट बदलकर तातीजा से देवाला जोहड़ की ओर कर दिया गया। पूर्व सरपंच हुक्मीचंद मेहरड़ा ने कहा कि जिस सड़क का बजट श्योलपुरा के नाम पर स्वीकृत हुआ था, उसका लाभ गांव के लोगों को नहीं मिल पाया है।

योग और खेल एक दूसरे के पूरक, निरंतर अभ्यास से एकाग्र होता है मनः डॉ. ललित मोहन जोशी

नांगल चौधरी के बनिहाड़ी में खंडस्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज.नांगल चौधरी।

आयुष हरियाणा एवं हरियाणा योग आयोग के निर्देशानुसार तथा जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. शशीबाला एवं जिला योग कोआर्डिनेटर डॉ. सतीश कुमार के मार्गदर्शन में मंगलवार को आयुष विभाग द्वारा खंड नांगल चौधरी के ग्राम बनिहाड़ी स्थित नवनिर्मित व्यायामशाला में एक भव्य खंडस्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचल में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना और छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न युवाओं और ग्रामीणों ने भाग लिया। नांगल चौधरी खंड में योग दिवस के नोडल अधिकारी डॉ. ललित मोहन जोशी ने इस प्रतियोगिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए

उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि योगासन और खेल दोनों ही एक दूसरे के पूरक हैं और दोनों की ही सफलता के मूल में संयम तथा अनवरत साधना छिपी होती है। इस अवसर पर योग प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसे दो मुख्य आयु वर्गों में विभाजित किया गया था, जिसमें पहला वर्ग 10 से 18 वर्ष तथा दूसरा वर्ग 18 से 55 वर्ष रखा गया। कड़े मुकाबले और कड़े अनुशासन के बीच आयोजित हुई इस स्पर्धा के परिणामों की घोषणा करते हुए आयोजकों ने विजेताओं को बधाई दी। 10 से 18 वर्ष के पुरुष आयु वर्ग में सिरोही बहाली निवासी सुरेंद्र सिंह के सुपुत्र दिवेश ने अपनी उत्कृष्ट खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान गौरव ने प्राप्त किया। इसी वर्ग में बूढ़वाल निवासी मनोज कुमार के सुपुत्र दीपांशु ने द्वितीय और प्रदीप कुमार के सुपुत्र यश ने तृतीय स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

इसी आयु वर्ग (10 से 18 वर्ष) की महिला स्पर्धा में भी बालिकाओं ने अपने संतुलन और लचीलेपन से सबको हैरत में डाल दिया। इसमें मेघोत हाला निवासी घनश्याम की पुत्री आकांक्षा ने प्रथम, वीरेंद्र सिंह की पुत्री तमन्ना ने द्वितीय तथा विष्णु दत्त शर्मा की पुत्री काव्या ने तृतीय स्थान प्राप्त कर पूरे गांव का नाम रोशन किया। वहीं, दूसरी ओर 18 से 55 वर्ष के प्रौढ़ आयु वर्ग में एक अनूठा संयोग देखने को मिला। इस वर्ग के पुरुष और महिला दोनों ही श्रेणियों में केवल एकमात्र प्रतिभागी खुशबू पुत्री मुकेश कुमार (निवासी मेघोत हाला) ने हिस्सा लिया और अपने उत्कृष्ट व सधे हुए योगासनों के प्रदर्शन के बूते अकेले ही प्रथम स्थान पर अपना आधिपत्य जमाया। इस पूरे आयोजन को सफल बनाने में आयुष योग सहायक ललित, अनिल कुमार, सुरेंद्र सिंह, तकदीर सिंह और अशोक कुमारी ने निर्णायक मंडल व आयोजक के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भीषण गर्मी में लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों को ठंडी छाछ का कराया वितरण

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

सामाजिक सरोकार एवं मानव सेवा के लिए सदैव तत्पर लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा मंगलवार को आध्यात्मिक चेतना अभियान के अंतर्गत समरसता, भाईचारे एवं मानव सेवा का संदेश देते हुए राजकीय जिला अस्पताल में उप नियंत्रक जिला चिकित्सालय डॉक्टर शीशराम चौधरी, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर विमल भूरिया, तोदी कॉलेज के सचिव आशकरण शर्मा, पार्षद पवन वाल्मीकि के सानिध्य में मरीजों एवं उनके परिजनों को ठंडी छाछ का वितरण किया गया।भीषण गर्मी और तेज तपिश के बीच ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों में जाकर भर्ती मरीजों के साथ-साथ अस्पताल परिसर में मौजूद लोगों को ठंडी छाछ पिलाकर राहत प्रदान की। इस अवसर पर ट्रस्ट पदाधिकारियों ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है तथा समाज में प्रेम, सद्भावना, समानता और भाईचारे की भावना को मजबूत करने के लिए ऐसे सेवा कार्य निरंतर किए जाते रहेंगे।कार्यक्रम के दौरान मरीजों एवं उनके परिजनों ने ट्रस्ट की इस सेवा भावना की सराहना करते हुए

आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के संरक्षक गिरधारी लाल जाजोदिया, प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, दिव्यांग प्रकोष्ठ प्रभारी कमल कुमावत, रामपाल कुमावत, सुनील कुमार माली, शशिप्रकाश कुमावत, डॉक्टर सत्यपाल ढाका डॉक्टर संजय सैनी नर्सिंग ऑफिसर मनोज मिश्रा नर्सिंग ऑफिसर मोहनलाल खींची वरिष्ठ नर्सिंग ऑफिसर परमेश्वर वरिष्ठ नर्सिंग ऑफिसर उपेंद्र मिश्रा श्याम मुंदड़ा सहित जिला अस्पताल के डॉक्टर नर्सिंग स्टाफ एवं समस्त कर्मचारी ट्रस्ट के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पूर्व पार्षद बस्ती राम ने पितृ स्मृति में की गौ-सेवा, गौशाला को भेंट की सामग्री व नकद राशि

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । उपखंड क्षेत्र के ग्राम बावड़ी के पूर्व पार्षद बस्ती राम ने मंगलवार को अपने स्वर्गीय पिताजी की 26वीं पुण्यतिथि पर बाबा खेतानाथ गौशाला में गौ-सेवा कर पितृ ऋण चुकाया। इस अवसर पर उन्होंने गौ माता के लिए 30 मन दलिया, तीन क्विंटल शक्कर और 11 हजार रुपये नगद दान किए। पार्षद बस्ती राम ने गौशाला में उपस्थित सभी गौ माता को हरा चारा और गुड़ खिलाकर सेवा की। पितृ शांति के लिए वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन भी कराया गया। कार्यक्रम में पार्षद बस्ती राम ने कहा कि पिताजी

ने जीवनभर सेवा और परोपकार का संदेश दिया। उनकी पुण्य स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए गौ-सेवा से बड़ा कोई पुण्य नहीं हो सकता। गौ माता को भोजन कराकर उन्होंने उपस्थित लोगों से भी गौ-संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने का आग्रह किया। हवन के बाद प्रसाद वितरण और भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस पुण्य अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पूर्व जिला पार्षद बस्तीराम, नर्सिंग ऑफिसर सुरेंद्र, डॉ. योगेंद्र, रेशमी देवी, सुमन देवी, प्रमिला देवी, गुंजन, रितिका, शशि देवी, खजान, नरेंद्र सरपंच, लक्ष्मीकांत सेठ, पुरुषोत्तम शर्मा सहित आसपास के गांवों से पूर्व सरपंच रतनलाल, राम सिंह, प्रकाश, महावीर, सुभाष, वीरेंद्र, पप्पू आदि मौजूद रहे। सभी ने पार्षद बस्ती राम की इस पितृ सेवा की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। गौशाला संचालकों ने भी दानदाता परिवार का आभार व्यक्त किया।

डीग में एकता डिफेंस एकेडमी की -18 क्रिकेट प्रतियोगिता संपन्न

नगर रोड ने जीता खिताब, राज्य मंत्री राजेन्द्र नायक ने किया खिलाड़ियों का सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.डीग।

रमेश चन्द । सहारई रोड स्थित एकता डिफेंस एकेडमी द्वारा आयोजित 8 दिवसीय अंडर-18 क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य समापन समारोह बुधवार को संपन्न हुआ। समारोह में अनुसूचित जाति वित्त विकास आयोग के अध्यक्ष व राज्य मंत्री राजेन्द्र कुमार नायक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए विजेता टीम को ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोहनस्वरूप पाराशर ने की और मंच संचालन उमेश प्रजापत ने किया। प्रतियोगिता में जिले भर की कुल 24 टीमों ने हिस्सा लिया। रोमांचक फाइनल मुकाबले में नगर रोड की टीम ने शानदार

प्रदर्शन करते हुए चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। वहीं एकता कोचिंग की टीम उपविजेता रही। आयोजक सुनील चाहर ने बताया कि फाइनल के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को भी ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में भाजपा जिला उपाध्यक्ष सतीश बंसल और भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य लखपत गुर्जर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अतिथियों ने कहा कि खेल अनुशासन, स्वास्थ्य और व्यक्तित्व विकास का सबसे मजबूत माध्यम है। युवाओं से आग्रह किया कि वे पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी आगे बढ़ें, ताकि क्षेत्र और देश का नाम रोशन कर सकें। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष ललित तिवारी, राकेश गिरसै, अंकित गर्ग, प्रिंसिपल गोपाल प्रसाद शर्मा, प्रधानाध्यापक इन्द्रजीत चाहर, काउंसलर विनीता पचौरी, उपाध्यक्ष इन्दर, राजेश फौजदार सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शिक्षा जगत के प्रेरणास्रोत रमेश शर्मा का गांव में भव्य अभिनंदन

वाइस प्रिंसिपल पद से सेवानिवृत्त होने पर शिक्षाविदों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

शिक्षा विभाग में लंबे समय तक उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के बाद वाइस प्रिंसिपल पद से सेवानिवृत्त हुए शिक्षाविद रमेश शर्मा शास्त्री के अपने पैतृक गांव अलीपुर (पचेरी) पहुंचने पर ग्रामीणों, शिक्षाविदों, समाजसेवियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा भव्य अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर मंगलवार को प्रेम मैरिज

गार्डन, पचेरी में स्नेहभोज एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहें। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि रमेश शर्मा ने अपने शिक्षकीय जीवन में न केवल विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की, बल्कि संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों के माध्यम से हजारों विद्यार्थियों का भविष्य भी संवारा। शिक्षा विभाग में उनकी निष्ठा, समर्पण और कार्यशैली सदैव प्रेरणास्रोत रहेगी। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों एवं शिक्षाविदों ने पुष्पमालाएं पहनाकर तथा अभिनंदन पत्र भेंट कर उनका सम्मान किया। संस्कृत भाषा में प्रस्तुत अभिनंदन पत्र में उनके शिक्षा, साहित्य, समाजसेवा और प्रशासनिक क्षेत्र में दिए गए योगदान का उल्लेख करते हुए उन्हें विद्या, संस्कार और सेवा का प्रतीक बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि रमेश शर्मा का जीवन इस बात का उदाहरण है कि एक शिक्षक केवल पाठ्यपुस्तकों का ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि समाज निर्माण की मजबूत नींव भी रखता है। उन्होंने अपने कार्यकाल में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ चरित्र निर्माण और राष्ट्रसेवा की भावना से भी जोड़ा। सम्मान समारोह में उपस्थित लोगों ने उनके स्वस्थ, सुखमय एवं सक्रिय जीवन की कामना करते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति किसी कर्मयोगी के लिए विराम नहीं, बल्कि समाजसेवा के नए अध्याय की शुरुआत होती है। ग्रामीणों ने विश्वास व्यक्त किया कि रमेश शर्मा भविष्य में भी शिक्षा, साहित्य और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से समाज का मार्गदर्शन करते रहेंगे। कार्यक्रम में शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन तथा परिवार के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समारोह का वातावरण आत्मीयता, सम्मान और गौरव की भावना से सराबोर रहा।

6 जून तक करें आवेदन, वरिष्ठ नागरिकों को निशुल्क कराई जाएगी श्री सोमनाथ ज्योतिर्लिंग यात्रा

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

हरियाणा सरकार द्वारा 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व-1000 वर्ष की धैर्यगाथा, अटूट आस्था' कार्यक्रम के तहत प्रदेश के अंत्योदय परिवारों के वरिष्ठ नागरिकों को श्री सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के निशुल्क दर्शन करवाए जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में आयोजित इस विशेष धार्मिक यात्रा के लिए इच्छुक श्रद्धालु 6 जून तक सरल हरियाणा पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। मुख्यमंत्री 8 जून को कुरुक्षेत्र रेलवे जंक्शन से स्पेशल ट्रेन को झंडी दिखाकर यात्रा का शुभारंभ करेंगे।डीआईपीआरएलओ दिनेश कुमार ने बताया कि यात्रा के लिए पंजीकरण सरल हरियाणा पोर्टल अथवा नजदीकी अटल सेवा केंद्र/सीएससी के माध्यम से कराया जा सकता है।श्रद्धालुओं को 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर स्पेशल ट्रेन में स्थान दिया जाएगा। ट्रेन कुरुक्षेत्र से रवाना होकर करनाल, पानीपत, सोनीपत और दिल्ली होते हुए श्री सोमनाथ पहुंचेगी। यात्रा के लिए वैध पहचान पत्र, परिवार पहचान पत्र (पीपीपी), अधिकृत चिकित्सक द्वारा जारी मेडिकल प्रमाण पत्र, स्वयं की शारीरिक फिटनेस संबंधी घोषणा तथा पिछले तीन वर्षों में योजना का लाभ नहीं लेने का प्रमाण आवश्यक होगा। सरकार द्वारा यात्रियों के रहने, भोजन और दर्शन स्थल तक परिवहन की व्यवस्था निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। योजना के तहत 60 वर्ष से अधिक आयु और 1.80 लाख रुपये तक वार्षिक आय वाले वरिष्ठ नागरिक अपने जीवनसाथी को भी निशुल्क साथ ले जा सकेंगे। वहीं 80 वर्ष से अधिक आयु के श्रद्धालु अपने साथ एक सहायक को भुगतान के आधार पर ले जा सकते हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना पंजीकरण किसी भी व्यक्ति को यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी। यात्रा के दौरान धूम्रपान और नशीले पदार्थों का सेवन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। पंजीकरण के बाद पात्र श्रद्धालुओं को लघु सचिवालय फतेहाबाद स्थित जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय में भी अपनी सूचना देना अनिवार्य होगा।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए शुद्ध मतदाता सूची जरूरी, नागरिक करें सहयोग

मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के लिए चलेगा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान: डीसी डॉ. विवेक भारती

-डीसी डॉ. विवेक भारती ने पत्रकार वार्ता में एसआईआर बारे दी विस्तृत जानकारी

-15 जून से बीएलओ घर-घर जाकर करेंगे सत्यापन, ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों माध्यमों से उपलब्ध होगी सुविधा

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी डॉ. विवेक भारती ने कहा है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूचियों को अधिक शुद्ध, पारदर्शी एवं विश्वसनीय बनाने के उद्देश्य से विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन-एसआईआर) अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने जिला के मतदाताओं से इस महत्वपूर्ण अभियान में सक्रिय सहयोग करने का आह्वान करते हुए कहा कि नागरिक किसी भी प्रकार के भ्रम या भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न दें, क्योंकि यह प्रक्रिया केवल पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करने तथा निर्वाचन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए संचालित की जा रही है।? मंगलवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में पत्रकारों से बातचीत करते हुए डीसी डॉ. विवेक भारती ने बताया कि जिला में यह विशेष अभियान 5 जून से शुरू होगा। अभियान के तहत मतदाता सूची का व्यापक सत्यापन कर उसे शुद्ध किया जाएगा, जिससे प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो सके और निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता और अधिक मजबूत हो। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सफलता और सशक्त जनभागीदारी के लिए मतदाता सूची का त्रुटिरहित होना अत्यंत आवश्यक है। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान मृत मतदाताओं के नाम हटाने, दोहरी प्रविष्टियों को समाप्त करने, स्थानांतरित मतदाताओं के रिकॉर्ड को सत्यापित करने तथा नए पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जोडऩे का कार्य किया जाएगा। इस पुनरीक्षण के लिए 1 जुलाई, 2026 को अर्हता तिथि निर्धारित की गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 5 से 10 जून तक बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा तथा उन्हें आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके बाद 15 जून से 14 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे और आवश्यक जानकारी एकत्रित करेंगे। इसी दौरान मतदान केंद्रों के रेशनलाइजेशन की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी, ताकि मतदाताओं को मतदान के दौरान बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। जिन बूथों पर 1200 से अधिक मतदाता हैं उनके रेशनलाइजेशन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत तैयार ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन 21 जुलाई, 2026 को किया जाएगा। इसके पश्चात 21 जुलाई से 20 अगस्त तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी, जिससे पात्र मतदाताओं के नाम जोड़े जा सकें तथा सूची में मौजूद त्रुटियों का समयबद्ध समाधान किया जा सके। डॉ. विवेक भारती ने कहा कि बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) और बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) इस पूरी प्रक्रिया की सफलता की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनकी सक्रिय भागीदारी और समन्वय से मतदाता सूची को अधिक सटीक और विश्वसनीय बनाया जा सकता है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, बीएलए और आम नागरिकों से अभियान में सकारात्मक सहयोग देने की अपील की। उन्होंने बताया कि मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गणना प्रपत्र भरने और आवश्यक दस्तावेज जमा करने की प्रक्रिया को हाइब्रिड मोड में उपलब्ध कराया गया है। नागरिक ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन माध्यम से भी घर बैठे अपना गणना प्रपत्र भर सकते हैं।जिला निर्वाचन अधिकारी ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि जब बीएलओ सत्यापन के लिए उनके घर पहुंचें तो उन्हें आवश्यक जानकारी एवं दस्तावेज उपलब्ध करवाएं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनसहयोग से जिला की मतदाता सूची को पूरी तरह शुद्ध, और पारदर्शी बनाया जा सकेगा तथा प्रत्येक पात्र नागरिक का मताधिकार सुरक्षित और सुनिश्चित होगा।

टोहाना सीआईए की कार्रवाई : हेरोइन व नशीली कैप्सूलों सहित आरोपी काबू

6.88 ग्राम हेरोइन, 10,800 नशीली कैप्सूल व वाहन बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा। सीआईए टोहाना पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गुप्ता कॉलोनी टोहाना निवासी संजय उर्फ संजू पुत्र जरनैल सिंह को हेरोइन तथा भारी मात्रा में नशीली कैप्सूलों सहित काबू किया है। सीआईए टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि पुलिस टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि आरोपी नई बाईपास रोड स्थित लोहा नहर पुल के समीप नशीले पदार्थों की तस्करी के उद्देश्य से मौजूद है। सूचना को विश्वसनीय मानते हुए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर मौके पर छापेमारी की और आरोपी को काबू कर लिया।तलाशी के दौरान आरोपी की जेब से 6.88 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इसके अलावा आरोपी की गाड़ी से प्रीगाबालिन युक्त कुल 36 बॉक्स नशीली कैप्सूल बरामद की गईं, जिनमें लगभग 10,800 कैप्सूल थीं। बरामद दवाइयों के संबंध में आरोपी कोई वैध लाइसेंस अथवा बिल प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने हेरोइन, नशीली कैप्सूलों तथा वाहन को कब्जा पुलिस में लेकर नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई। इस संबंध में थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 159, दिनांक 31 मई 2026, धारा 21बी/61/85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा। मामले में नशीले पदार्थों के स्रोत, सप्लाई नेटवर्क तथा इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य व्यक्तियों की भूमिका की गहन जांच की जा रही है।

महिला सुरक्षा टीम व साइबर थाना फतेहाबाद ने चलाया जागरूकता अभियान

साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, दहेज प्रथा उन्मूलन व अभय ऐप के प्रति किया जागरूक

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा। महिला सुरक्षा टीम एवं साइबर थाना फतेहाबाद द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाकर आमजन को विभिन्न सामाजिक एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में महिला सुरक्षा टीम प्रभारी निरीक्षक मंजू सिंह तथा साइबर थाना फतेहाबाद में तैनात महिला सहायक उपनिरीक्षक सुनीता के कुशल नेतृत्व में गांव डांगरा, टोहाना में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं, युवाओं एवं ग्रामीणों को साइबर अपराधों के बढ़ते खतरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपने बैंक खाते, एटीएम कार्ड, ओटीपी, सीवीवी नंबर अथवा अन्य व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। साइबर ठग विभिन्न माध्यमों से लोगों को झांसे में लेकर आर्थिक धोखाधड़ी करते हैं, इसलिए किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या मैसेज पर विश्वास करने से पहले उसकी सत्यता अवश्य जांचें। इसके अलावा सोशल मीडिया के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई। लोगों को फर्जी प्रोफाइल, ऑनलाइन ठगी, साइबर बुलिंग तथा भ्रामक सूचनाओं से सावधान रहने और सोशल मीडिया पर कोई भी सामग्री साझा करने से पहले उसकी सत्यता की पुष्टि करने के लिए प्रेरित किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीति पर भी चर्चा की गई। उपस्थित लोगों से दहेज न लेने और न देने का संकल्प लेने का आह्वान किया गया तथा महिलाओं के अधिकारों एवं उनकी सुरक्षा से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर अभय ऐप के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। महिलाओं को ऐप डाउनलोड करने, इसके फीचर्स तथा आपातकालीन स्थिति में इसके उपयोग की प्रक्रिया समझाई गई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी, महिला उत्पीड़न अथवा आपात स्थिति में तुरंत पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 या साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें।

फतेहाबाद ट्रैफिक पुलिस का ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ अभियान, 26 अवैध साइलेंसर बुलडोजर से किए नष्ट

मॉडिफाइड बुलेट साइलेंसरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, नियम तोड़ने वालों को दी चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा। जिले में ध्वनि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से फतेहाबाद ट्रैफिक पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों पर वाहनों की जांच करते हुए नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। ट्रैफिक प्रभारी उप निरीक्षक जयसिंह के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई के दौरान 26 बुलेट मोटरसाइकिलों में लगे अवैध एवं मॉडिफाइड साइलेंसर जब्त किए गए। कार्रवाई के उपरांत इन सभी साइलेंसरों को बुलडोजर की सहायता से नष्ट कर दिया गया ताकि उनका दोबारा उपयोग न किया जा सकें। उप निरीक्षक जयसिंह ने बताया कि मॉडिफाइड साइलेंसरों से निकलने वाली तेज आवाज आमजन के लिए परेशानी का कारण बनती है। इससे ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है तथा विद्यार्थियों, बुजुर्गों, मरीजों एवं अन्य नागरिकों को अनावश्यक असुविधा का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा तेज आवाज वाले वाहन सड़क पर अन्य वाहन चालकों का ध्यान भटका सकते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका भी बढ़ जाती है, उन्होंने कहा कि वाहन निर्माता कंपनी द्वारा निर्धारित मानकों के विपरीत किसी भी प्रकार का संशोधन करना मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में चालान, जुर्माना तथा अन्य कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों में अवैध साइलेंसर या अन्य गैरकानूनी संशोधन न करवाएं तथा यातायात नियमों का पालन करें। पुलिस द्वारा भविष्य में भी ऐसे विशेष अभियान लगातार जारी रखे जाएंगे ताकि आमजन को ध्वनि प्रदूषण से राहत मिल सके और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

गरीबों को इलाज नहीं, रेफरल मिल रहा है: भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी का सरकार पर हमला

सिविल अस्पताल पलवल में सतीश चोपड़ा के नेतृत्व में सांकेतिक शांतिपूर्ण धरना, भीम आर्मी एवं आज़ाद समाज पार्टी ने दिया समर्थन

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलवल।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ)। सरकारी अस्पतालों में बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं, डॉक्टरों एवं कर्मचारियों की कमी, मूलभूत सुविधाओं के अभाव तथा मरीजों को लगातार निजी अस्पतालों में रेफर किए जाने के विरोध में मंगलवार को सिविल अस्पताल पलवल में समाजसेवी सतीश चोपड़ा के नेतृत्व में एक दिवसीय सांकेतिक शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया।धरने को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि सरकार द्वारा करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद सरकारी अस्पतालों में मरीजों को समुचित उपचार नहीं मिल पा रहा है। अस्पतालों में आने वाले गरीब, मजदूर और आम नागरिकों को उचित इलाज देने के बजाय निजी अस्पतालों में रेफर कर दिया जाता है, जिससे उन पर भारी आर्थिक बोझ पड़ता है। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है और सरकार को तत्काल इस पर संज्ञान लेना चाहिए।इस अवसर पर भीम आर्मी एवं आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) पलवल ने भी धरने को अपना पूर्ण समर्थन दिया। पूर्व जिला अध्यक्ष लीगल सेल एडवोकेट शैलेन्द्र जौहरी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की यह बदहाली आम जनता के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पताल जनता की सेवा के लिए बनाए गए हैं, न कि मरीजों को निजी अस्पतालों में भेजने के लिए। यदि सरकार जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा सकती तो यह उसकी नीतियों की विफलता है।एडवोकेट शैलेन्द्र जौहरी ने कहा कि आदरणीय सांसद एडवोकेट चंद्रशेखर आज़ाद लगातार शिक्षा और स्वास्थ्य को प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार बनाने की बात करते रहे हैं। उन्होंने कहा है कि देश के गरीब और वंचित वर्ग को भी उच्च स्तर की शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए। आज का यह आंदोलन भी उसी सोच को आगे बढ़ाने का प्रयास है।कार्यक्रम में आज़ाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष गौतम लोहगढ़, डॉ. नेम सिंह, एडवोकेट सौरव, एडवोकेट अनिल सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में सतीश चोपड़ा जी के जनहितकारी संघर्ष का समर्थन करते हुए सरकार से मांग की कि सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की नियुक्ति, आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता, पर्याप्त दवाइयों की व्यवस्था तथा मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार सुनिश्चित किया जाए।धरने के माध्यम से चेतावनी दी गई कि यदि सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था में शीघ्र सुधार नहीं किया गया और मरीजों को अनावश्यक रूप से निजी अस्पतालों में रेफर करने की प्रक्रिया बंद नहीं हुई, तो जनता के हित में बड़े स्तर पर लोकतांत्रिक आंदोलन चलाया जाएगा।

बेटी को बस में बैठाने गए शिक्षक की जेब से 50 हजार पार, सीसीटीवी में कैद हुए तीन संदिग्ध

बेटी को विदा करने में लगे रहे पिता, उचक्कों ने जेब पर कर दिया हाथ साफ; बैंक में जमा कराने लाए थे 1.30 लाख रुपए।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल। कहते हैं कि भीड़ में चोर का हाथ और लापरवाही का साथ, दोनों पल भर में भारी पड़ जाते हैं। मंडावर शहर स्थित बस स्टैंड पर सोमवार सुबह कुछ ऐसा ही हुआ, जब अपनी बेटी को ननिहाल भेजने आए एक शिक्षक की जेब से उचक्के 50 हजार रुपए की नकदी पार कर ले गए। दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने एक बार फिर शहर की कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा इंतजामों को कटघरे में खड़ा कर दिया है। रायपुर निवासी शिक्षक रामहरि मीणा अपनी बेटी और बेटे के साथ बस स्टैंड पहुंचे थे। बेटी को गर्मी की छुट्टियां बिताने के लिए अलवर स्थित ननिहाल भेजा जा रहा था। पिता की नजर बेटी को सुरक्षित बस में बैठाने पर थी और इसी अवसर का फायदा उठाकर भीड़ में घुसे शातिर उचक्कों ने उनकी पैंट की जेब में रखी 50 हजार रुपए की नकदी की गड्डी पर हाथ साफ कर दिया। जब तक शिक्षक को घटना का अहसास हुआ, तब तक आरोपी भीड़ में ओझल हो चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और अलवर रोड पर बस को रुकवाकर यात्रियों तथा उनके सामान की तलाशी ली गई। करीब आधे घंटे तक चले तलाशी अभियान में महिला यात्रियों की भी जांच कराई गई, लेकिन चोरी गई नकदी का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद बस को देरी से रवाना किया गया। शिक्षक ने बताया कि उनके पास कुल 1 लाख 30 हजार 500 रुपए थे, जिन्हें बैंक खाते में जमा कराने के लिए वह मंडावर आए थे। पिछले सप्ताह बैंक ऑफ बड़ौदा में केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण नहीं होने के कारण राशि जमा नहीं हो सकी थी, इसलिए सोमवार को दोबारा बैंक पहुंचने से पहले यह घटना हो गई।घटना के बाद पुलिस ने बस स्टैंड और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान एक कैमरे में तीन युवक संदिग्ध गतिविधियों के साथ दिखाई दिए हैं। पुलिस अब उनकी पहचान कर तलाश में जुटी हुई है। हालांकि देर शाम तक आरोपियों का कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लग सका। पीड़ित का आरोप है कि घटना के बाद रिपोर्ट दर्ज कराने और फुटेज देखने के लिए उसे इधर-उधर भटकना पड़ा तथा रिपोर्ट भी अगले दिन दर्ज की गई।

अवैध हथियारों पर मंडावर पुलिस का बड़ा प्रहार, यूपी के पांच युवक देशी कट्टे सहित दबोचे

नाकाबंदी के दौरान वैगनआर कार से बरामद हुआ 315 बोर का अवैध कट्टा, आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर नेटवर्क की पड़ताल शुरू

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल। जिले में अवैध हथियारों की गतिविधियों पर लगाम कसने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मंडावर थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक कार से 315 बोर का अवैध देशी कट्टा बरामद कर उत्तर प्रदेश के पांच युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब आरोपितों के आपराधिक रिकॉर्ड, हथियार की खरीद-फरोख्त तथा इसके संभावित उपयोग को लेकर गहन पड़ताल में जुटी है। जिला पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित के निर्देशन तथा महवा सीओ मनोहरलाल मीणा के सुपरविजन में थानाधिकारी प्रवीण कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार एक जून की रात मुखबिर से सूचना मिली कि पाखर-प्रथम मार्ग की ओर से आ रही सफेद रंग की वैगनआर कार में सवार कुछ युवकों के पास हथियार हो सकता है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहन को रुकवाया। तलाशी के दौरान कार में सवार पांच युवकों की जांच की गई तो चालक के समीप वाली सीट के पीछे बने कवर में छिपाकर रखा गया 315 बोर का अवैध देशी कट्टा बरामद हुआ। हथियार के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर पुलिस ने उसे जब्त कर सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपितों में गिरधर मीणा निवासी भरतपुर हाल निवासी अलीगढ़, कुनाल शर्मा निवासी अलीगढ़, राजेन्द्र कुमार निवासी अलीगढ़, संतोष कुमार निवासी अलीगढ़ तथा अशलम निवासी हाथरस शामिल हैं। पुलिस ने सभी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बरामद हथियार कहां से लाया गया।

आईसीसी ने टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल सहित कई बदलावों को दी मंजूरी

-अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के कारण क्रिकेट कनाडा को निलंबित किया

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने यहां हुई अपनी सालाना आम बैठक में टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के प्रयोग सहित कई अन्य बदलावों को अपनी मंजूरी दे दी है हालांकि ये सभी नियम इस साल अक्टूबर से अमल में लाये जाएंगे। आईसीसी ने कहा है कि खराब रोशनी के दौरान गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। आईसीसी ने इसके अलावा टीम के मुख्य कोच को ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से रणनीतिक चर्चा करने की अनुमति भी दे दी है। वहीं इस दो दिवसीय बैठक में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के चलते क्रिकेट कनाडा की सदस्यता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

आईसीसी के बयान के अनुसार, टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद का उपयोग दोनों टीमों की सहमति से परीक्षण के आधार पर किया जाएगा जिससे खराब रोशनी की स्थिति में अधिक से अधिक समय तक खेल हो सके। इस नई व्यवस्था के तहत, मैच की शुरुआत पारंपरिक लाल गेंद से होगी, लेकिन यदि दिन के खेल के दौरान रोशनी कम हो जाती है और कुछ ओवर बाकी रह जाते हैं, तो दोनों टीमों की सहमति पर उन शेष ओवरों को फ्लडलाइट्स के दौरान गुलाबी गेंद से पूरा किया जा सकेगा हालांकि भारतीय टीम इस व्यवस्था को स्वीकार करेगी ये अभी पक्का नहीं है क्योंकि भारतीय क्रिकेटर घरेलू हालातों में गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलने को लेकर पहले भी तैयार नहीं थे। इसका कारण गुलाबी गेंद से मिलने वाला अधिक सीम मूवमेंट है। वहीं आईसीसी ने खराब रोशनी के कारण खेल में समय के नुकसान को कम करने के लिए मैच अधिकारियों और मैदानों में प्रकाश व्यवस्था से जुड़ी नई तकनीकों को बेहतर बनाने की भी मंजूरी दी है, इससे किए आईसीसी और मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) संयुक्त रूप से आर्थिक सहायता करेंगे।

खेल नियमों में एक और सुधार करते हुए आईसीसी ने अब मुख्य कोच या उनके प्रतिनिधियों को निर्धारित ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान पर आकर खिलाड़ियों से बात करने की अनुमति दे दी है। यह सुविधा टी20 क्रिकेट में दी जा रही रणनीतिक टाइम आउट सुविधा के समान है। ये अब टेस्ट क्रिकेट में भी उपलब्ध रहेगी। इसके अतिरिक्त, टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए 15 मिनट के अनिवार्य अंतराल और खेल दोबारा शुरू होने पर बल्लेबाजों के तुरंत तैयार रहने से जुड़े नियमों को भी मंजूरी दी गयी है। वहीं प्रशासनिक मोर्चे पर, आईसीसी ने भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों पर क्रिकेट कनाडा को निलंबित करने के साथ-साथ बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चुनावों की निगरानी के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। गेंदबाजी नियमों में भी बदलाव किए गए हैं। वैध गेंदबाजी एक्शन पर प्रभावी निगरानी के लिए अब मैदानी अंपायरों को हॉक-आई डेटा तक पहुंच मिलेगी, जिससे वे किसी गेंदबाज के एक्शन की रिपोर्ट करते समय इन आंकड़ों का उपयोग कर सकेंगे। लेग साइड वाइड से जुड़े परीक्षण नियम को भी स्थायी रूप से अपनाने की मंजूरी दी गई है। वहीं इसके अलावा महिला क्रिकेट के विकास को बढ़ावा देने के लिए आईसीसी ने महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 के आयोजन को भी मंजूरी दी है। इस 10 टीमों के टूर्नामेंट में पांच पूर्ण सदस्य और पांच एसोसिएट सदस्य देश हिस्सा लेंगे, जिनका चयन रैंकिंग और महिला टी20 विश्व कप क्वालीफिकेशन प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा।

आईपीएल 2026 में फ्लाप रहे बुमराह

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए आईपीएल का 2026 सत्र बेहद खराब रहा और वह केवल 4 विकेट ही ले पाये। वहीं उनकी टीम मुम्मई इंडियंस को उम्मीद थी कि वह धमाकेदार प्रदर्शन करेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। बुमराह पूरे सत्र में संघर्ष करते दिखे और उनकी गेंदों पर काफी चौके और छक्के तक लगे। इसके कारण मुम्बई इंडियंस को भी काफी नुकसान उठाना पड़ा।

इस पूरे सत्र में बुमराह 13 मुकाबलों में केवल 4 विकेट ही ले पाये। उनका गेंदबाजी औसत 102.50 का रहा। ये किसी आईपीएल सत्र में 30 से अधिक ओवर फेंकने वाले किसी भी गेंदबाज के लिए सबसे खराब आंकड़ा है। विकेट लेने की अपनी असाधारण क्षमता के लिए मशहूर बुमराह एक भी मैच में बल्लेबाजों पर दबाव नहीं डाल सके। वह हर मैच में विकेट के लिए तरसते दिखे। 9 मैचों में तो वह एक भी विकेट नहीं ले पाये। पूरे टूर्नामेंट के दौरान एक भी मैच में बुमराह दो विकेट तक नहीं ले पाये।

उनके पिछले रिकॉर्ड्स को देखते हुए, यह उनके आईपीएल करियर का सबसे खराब सत्र रहा। इससे पहले साल 2013 और 2015 में भी उन्होंने केवल 3-3 विकेट ही लिए थे पर तब वह नये गेंदबाज थे। वहीं स बार पूरा सत्र खेलने के बाद भी वह विफल रहे। बुमराह के इस प्रकार असफल होने से उनकी टीम मुंबई इंडियंस भी प्रभावित हुई और केवल चार मैच ही जीतकर अंक तालिका में नवें स्थान पर रही। वहीं बुमराह के लय में नहीं होने से विरोधी टीमों ने मुम्बई के अन्य गेंदबाजों को भी जमकर पीटा। इससे टीम को भी 10 मैचों में हार झेलनी पड़ी।

वैभव पर अध्ययन करेगा आईआईएम इंदौर

इंदौर (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से सबको हैरान करने वाले 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को मिली सफलता से सभी हैरान हैं। प्रशंसकों को ये समझ नहीं आ रहा है कि इतनी कम उम्र में कोई इतना सफल कैसे हो सकता है। इसी को देखते हुए भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) इंदौर ने वैभव के मामले को दुर्लभ मानते हुए अध्ययन का फैसला किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार अपनी उम्र से कहीं बेहतर बल्लेबाजी क्षमता और छक्के मारने की कला के पीछे के रहस्यों का खुलासा करने के लिए खेल, मनोविज्ञान और प्रबंधन के शीर्ष विशेषज्ञ एक साथ काम करेंगे। किसी खिलाड़ी पर आधारित यह देश का पहला अध्ययन होगा जिसमें ये जानने का प्रयास किया जाएगा कि इतनी कम उम्र के बाद भी वह मैचों के दौरान विपरीत हालातों के बीच भी दबाव में क्यों नहीं आते। वैभव ने आईपीएल सत्र में सबसे अधिक 72 छक्के लगाकर वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल का 14 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा था। इसके अलावा 700 से अधिक रन बनाये। वह इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। ये अध्ययन केवल वैभव की खेल उपलब्धियों का ही विश्लेषण नहीं करेगी, बल्कि उन सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, पारिवारिक और संस्थागत कारकों को भी गहराई से समझने की कोशिश करेगी जो कम उम्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को आकार देने में सहायक साबित होते हैं। संस्थान का मानना है कि वैभव की क्रिकेट यात्रा के पीछे व्यक्तिगत क्षमता के साथ-साथ कड़ी मेहनत, परिवार का त्याग, समर्पण और मेंटर्स का योगदान भी बेहद अहम रहा है। यह शोध केवल सफलता पर ही केंद्रित नहीं होगा, बल्कि प्रतिभा के विपरीत प्रभाव को भी सामने लायेगा। आम तौर पर देखा जाता है कि बेहद कम उम्र में मिलने वाली भारी प्रसिद्धि, करोड़ों रुपये के आकर्षक ऑफर और सोशल मीडिया का अनियंत्रित दबाव युवा प्रतिभाओं को विचलित कर देता है। इसके चलते कई खिलाड़ी मानसिक थकान और अत्यधिक अपेक्षाओं के बोझ तले दबकर अपनी पूरी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाते। इस अध्ययन के माध्यम से एक ऐसे इकोसिस्टम का ब्लूप्रिंट तैयार किया जाएगा, जो कॉर्पोरेट जगत को भी प्रतिभा प्रबंधन का एक बिल्कुल नया और प्रभावी मॉडल प्रदान करेगा।

फीफा विश्वकप 2026, कई नये नियमों के साथ खेला जाएगा

सेन डियागो (एजेंसी)। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले आगामी फीफा विश्वकप 2026 में फुटबॉल के खेल में कई अभूतपूर्व नियम लागू किए जाएंगे, जिनका उद्देश्य मैदान पर खिलाड़ियों के अनुशासन को मजबूत करना और खेल भावना को बढ़ावा देना है। 11 जून से शुरू होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट में अब खिलाड़ी बहस के दौरान अपना मुंह नहीं छिपा सकेंगे। यदि कोई खिलाड़ी ऐसा करता है, तो उसे तत्काल लाल कार्ड का सामना करना पड़ेगा। यह महत्वपूर्ण कदम खिलाड़ियों के बीच होने वाले मौखिक दुर्व्यवहार, विशेषकर नस्लीय टिप्पणियों को रोकने के लिए उठाया गया है, जिसने अतीत में खेल की छवि को धूमिल किया है।

मौखिक दुर्व्यवहार पर अंकुश लगाने के इस कदम के अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के नियम तय करने वाली संस्था, इंटरनेशनल फुटबॉल एसोसिएशन बोर्ड (आईएफएबी) ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा की है। अब रेफरी के फैसले के विरोध में मैदान छोड़ने वाले किसी भी खिलाड़ी को लाल कार्ड दिखाया जा सकता है। यह नियम उन टीम अधिकारियों पर भी समान रूप से लागू होगा जो अपने खिलाड़ियों को विरोध में मैदान छोड़ने के लिए उकसाते हैं। आईएफएबी ने स्पष्ट किया है कि विश्व कप में भाग लेने वाली सभी 48 टीमों को इन सभी संशोधनों के बारे में विस्तार से सूचित किया जाएगा ताकि किसी भी प्रकार की गलतफहमी न हो।

इन अनुशासनात्मक बदलावों के साथ-साथ, फीफा ने विश्व कप के पीले कार्ड संबंधी नियमों में भी संशोधन किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि महत्वपूर्ण नॉकआउट मैचों के लिए कम खिलाड़ियों को निलंबन का सामना करना पड़े। नए नियम के अनुसार, विश्व कप के दौरान किसी खिलाड़ी को मिले पीले कार्ड दो बार उसके रिकॉर्ड से हटा दिए जाएंगे। फीफा परिषद ने फीफा विश्व कप 2026 के नियमों में संशोधन करते हुए यह तय किया है कि ग्रुप चरण में मिला कोई भी पीला कार्ड नॉकआउट चरण में मान्य नहीं होगा। इसका अर्थ है कि नॉकआउट चरण में प्रवेश करने वाले सभी खिलाड़ियों को क्लीन स्लेट के साथ शुरुआत करने का मौका मिलेगा। इसी तरह, क्वार्टर फाइनल में मिला एक पीला कार्ड अगले मैचों (सेमीफाइनल और फाइनल) के लिए मान्य नहीं होगा।

विश्व कप में इससे पहले यदि किसी खिलाड़ी को दो अलग-अलग मैचों में पीला कार्ड दिखाया जाता था तो उसे एक मैच का प्रतिबंध झेलना पड़ता था। हालांकि, पिछले टूर्नामेंटों में क्वार्टर फाइनल चरण के बाद एक पीले कार्ड को रद्द कर दिया जाता था, जिससे यह सुनिश्चित होता था कि सेमीफाइनल में पीला कार्ड मिलने के कारण कोई भी खिलाड़ी फाइनल जैसे महत्वपूर्ण मैच से बाहर न हो। ये नए नियम खिलाड़ियों को बिना अनावश्यक दबाव के बड़े मैचों में अपनी पूरी क्षमता से खेलने का अवसर प्रदान करेंगे, जिससे टूर्नामेंट का रोमांच और बढ़ जाएगा। ये सभी नियम फीफा विश्वकप 2026 को न केवल खेल के लिहाज से बल्कि नैतिकता और निष्पक्षता के दृष्टिकोण से भी एक नए स्तर पर ले जाने का प्रयास करेंगे।

6 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट से शुरु होगा भारतीय टीम का नया कैलेंडर

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 वां सत्र रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के साथ ही समाप्त हो गया है। ऐसे में अब इसमें खेल रहे खिलाड़ियों को कोई लंबा ब्रेक मिलने नहीं जा रहा है। इसका कारण है कि भारतीय टीम का नया अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर 6 जून अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से शुरु होगा। भारतीय टीम को अपनी ही धरती पर अफगानिस्तान से सीरीज खेलनी है। भारत दौरे पर आ रही अफगानिस्तान की टीम भारतीय टीम से एक टेस्ट और तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। ऐसे में प्रशंसकों को विराट कोहली और रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ी एक बार फिर एकदिवसीय सीरीज में खेलते दिखेंगे।

मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव होने तय, युवाओं की भागीदारी बढेगी

मुम्बई । आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह अंक तालिका में 9 वें स्थान पर रही। टीम के स्टार खिलाड़ी भी असफल रहे। इसका अंदाजा इसी से होता है कि सबसे अधिक रन बनाने और विकेट लेने वाले शीर्ष दस-दस खिलाड़ियों में इसका एक भी खिलाड़ी शामिल नहीं था। आईपीएल के पिछले सत्र में भी टीम का प्रदर्शन खराब रहा था। इस प्रकार लगातार दो सत्र में निराशाजनक सत्र को देखते हुए अब माना जा रहा है कि मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव होने तय हैं। फ्रेंचाइजी अब टीम को नए सिरे से तैयार करना चाहती है। इसके तहत टीम में कप्तानी में बदलाव और एक अनुभवी बल्लेबाज को अलग भूमिका देने की योजना शामिल है। आईपीएल 2024 में 10वें और आईपीएल 2026 में 9वें स्थान पर रहने के बाद टीम प्रबंधन अब ये बदलाव करने जा रहा है। टीम में अब युवा खिलाड़ियों की भी भागीदारी बढ़ायी जा सकती है। कप्तान हार्दिक पांड्या के भविष्य को लेकर जारी संशय के बीच ही टीम अब नए नेतृत्व विकल्पों की तलाश में है। ये भी कहा जा रहा है कि युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को कप्तान बनाने जाने की संभावना है। युवा तिलक को आईपीएल 2027 से मुंबई इंडियंस की कप्तानी सौंपी जा सकती है। तिलक पिछले कुछ साल से लगातार मुंबई इंडियंस में शामिल रहे हैं और अपने लगातार प्रदर्शन से टीम प्रदर्शन का भरोसा जीतने में कामयाब रहे हैं। टीम के भीतर इस बात पर भी चर्चा है कि उन्हें लंबे समय तक नेतृत्व की भूमिका के लिए तैयार किया जा सकता है। वहीं कप्तानी की दौड़ में दो अन्य अनुभवी खिलाड़ी हैं। इसमें सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं। सूर्या ने आईपीएल 2026 में तीन मैचों में मुंबई की कप्तानी की थी, जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने हार्दिक पांड्या की अनुपस्थिति में एक मैच में टीम की कप्तानी की थी। ये भी कहा जा रहा है कि फ्रेंचाइजी इन नए बदलावों को जल्द से जल्द लागू करना चाहती है।

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए हेटमायर और अल्जारी को शामिल किया

जमैका (एजेंसी)। 3 जून से 8 जून श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए आक्रामक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर और तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की वेस्टइंडीज टीम में वापसी हुई है। ये दोनो ही फिट नहीं होने के कारण पिछले कुछ समय से टीम से बाहर थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने इस सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। ये सीरीज अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप और 2027 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने के वेस्टइंडीज के अभियान के लिए अहम मानी जा रही है।

हेटमायर को एकदिवसीय टीम में शामिल करना अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए योजना का एक हिस्सा माना जा रहा है। वह सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच से पहले टीम के साथ जुड़ेंगे। उनकी आने से टीम की बल्लेबाजी बेहतर होगी। वहीं, तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ जुलाई 2025 से ही पीठ की चोट के कारण बाहर थे और अब लगभग एक साल बाद खेल में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। उनके अलावा स्पिनर गुडाकेश मोती को भी टीम में जगह मिली है, जिससे गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होने की उम्मीद है।

यह एकदिवसीय सीरीज 3 जून से 8 जून तक जमैका के सबीना पार्क में खेली जाएगी। यह सीरीज वेस्टइंडीज के लिए 2027 वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने के अभियान की शुरुआत मानी जा रही है। ऐसे में इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन को लेकर टीम पर दबाव होगा। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने श्रीलंका को एक मजबूत और अनुशासित

एकदिवसीय टीम करार दिया है। सैमी के अनुसार श्रीलंकाई खिलाड़ी हालातों के अनुसार खेलते हैं। सैमी ने कहा कि इस सीरीज से उनकी टीम को अपने खेल का स्तर जानने और उसमें सुधार करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने फील्डिंग में तेजी, बल्लेबाजी में स्पष्ट सोच और गेंदबाजी में लगातार अच्छे प्रदर्शन पर भी जोर दिया है।

कोच सैमी ने कहा कि टीम की रणनीति निडर होकर आक्रामक अंदाज में खेलना रहेगा पर इसका मतलब ये नहीं होगा कि टीम गलती करेगी। उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर अपनी मजबूत पहचान बनाना रहेगा। उनका लक्ष्य घरेलू मैदान पर विरोधी टीमों के लिए कठिनाई पैदा करना रहेगा। उन्होंने जीत के लिए सामूहिक प्रयास और प्रत्येक खिलाड़ी के योगदान को जरुरी बजाया। साथ ही कहा कि टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रहेगी। सैमी ने यह भी कहा कि पिछले 18 महीनों से टीम इसी सोच के साथ काम कर रही है।

एकदिवसीय सीरीज के बाद, दोनों टीमें जमैका में ही तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले खेलेंगी, जिसके बाद यह दौरा एंटीगुआ में दो टेस्ट मैचों के साथ संपन्न होगा।

टीम इस प्रकार हैः शाई होप (कप्तान/विकेटकीपर), एकीम ऑगस्टे, जॉन कैंपबेल, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रीव्स, शिमरोन हेटमायर, आमिर जंगू, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स और शमर स्प्रिंगर।

नेमार विश्वकप फुटबॉल के पहले मैच में शायद ही खेल पायें

रियो डी जिनेरियो । फीफा विश्व कप 2026 से ठीक पहले ब्राजील को करारा झटका लगा है। उसके स्टार फॉरवर्ड नेमार अब तक अपनी चोट से नहीं उबर पाये हैं। इस कारण अब नेमार मिस्र के खिलाफ 5 जून को होने वाले दूसरे अभ्यास मैच के अलावा विश्वकप फुटबॉल के पहले मैच में भी शायद ही खेल पायें। नेमार की दाहिनी पिंडली की चोट अब तक ठीक नहीं हुई है। इस चोट के कारण ही वह पहले अभ्यास मैच में भी नहीं खेल पाये थे। ब्राजीली फुटबॉल कॉन्फेडरेशन (सीबीएफ) ने कहा है कि नेशनल कैंप में शामिल हुए नेमार पहले ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा नहीं ले सके और उन्हें अपनी चोटिल पिंडली के लिए अतिरिक्त मेडिकल जांच करवानी पड़ी। मेडिकल जांच और स्कैन से ग्रेड 2 की पिंडली की चोट की पुष्टि हुई है। सीबीएफ के मेडिकल विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह वही चोट है जिसने इस फॉरवर्ड खिलाड़ी को 17 मई से फुटबॉल मैदान से दूर रखा हुआ है। गौरतलब है कि नेमार ने अंतिम बार 17 मई को ब्राजील की नेशनल लीग में सैंटोस की ओर से खेलते हुए कोरींटिबा के खिलाफ मैच खेला था, जिसमें उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा था। सीबीएफ के डॉक्टर रोड्रिगो लास्मार ने स्थानीय मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि इस अनुभवी फॉरवर्ड खिलाड़ी को पूरी तरह से ठीक होने में लगभग दो से तीन सप्ताह का समय लग सकता है। इस अनुमानित रिकवरी अवधि को देखते हुए, विश्व कप के शुरुआती मैचों में नेमार की उपलब्धता को लेकर गंभीर संदेह उत्पन्न हो गया है। नेमार बुधवार को रियो डी जनेरियो के बाहर टेरेसोपोलिस में स्थित पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील के ट्रेनिंग सेंटर में टीम के बाकी सदस्यों के साथ जुड़े थे। हालांकि, अंतिम मेडिकल जांच के परिणामों का अभी भी इंतजार है पर मौजूदा हालातों को देखते हुए उनके विश्वकप के पहले मैच तक ठीक होने की संभावना नहीं है। वहीं नेमार ने शुरुआत में विश्व कप में अपनी उपलब्धता को लेकर जताई जा रही चिंताओं पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया था। यह भी ध्यान देने योग्य है कि ब्राजील के लिए सबसे अधिक गोल करने वाले नेमार का करियर पिछले दो सालों से चोटों से बुरी तरह प्रभावित रहा है। उन्होंने ब्राजील के लिए अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 17 अक्टूबर 2023 को खेला था। 128 मैचों में 79 गोल कर चुके नेमार का बाहर होना ब्राजील के लिए एक बड़ा नुकसान होगा।

फीफा विश्व कप: 'अब सिर्फ खिताब जीतना है', हैरी केन ने इंग्लैंड का लक्ष्य किया साफ

फ्लोरिडा (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 से पहले इंग्लैंड की टीम ने अपने इरादे साफ कर दिए हैं। कप्तान हैरी केन और मुख्य कोच थॉमस टुचेल ने कहा है कि टीम का एकमात्र लक्ष्य विश्व चैंपियन बनना और जर्सी पर दूसरा सितारा जोड़ना है।

थॉमस टुचेल की अगुआई वाली इंग्लैंड टीम विश्व कप की तैयारियों के लिए फ्लोरिडा पहुंच चुकी है। इंग्लैंड को ग्रुप एल में क्रोएशिया, घाना और पनामा के साथ रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 17 जून को आर्लिंगटन में क्रोएशिया के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

विश्व कप से पहले टीम फ्लोरिडा में मौसम और परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने की तैयारी कर रही है। हालांकि, बुकायो साका, डेक्लान राइस, नोनी मडुके और एबेरेची एज़े को यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल के बाद अतिरिक्त आराम दिया गया है। वहीं, मार्कस रैशफोर्ड पहले ही मियामी में टीम से जुड़ चुके हैं और गर्म मौसम में विशेष ट्रेनिंग कर रहे हैं।

इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में टीम के भीतर एकता लगातार मजबूत हुई है, लेकिन अब समय खिताब जीतने का है। केन ने कहा, 'गैरेथ साउथगेट के शुरुआती दौर में हमने टीम को एकजुट बनाने और क्लब क्रिकेट को पीछे छोड़कर राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने पर काफी काम किया था। हर साल यह भावना और मजबूत होती गई। लेकिन अब उम्मीद सिर्फ एक है—फिनिश लाइन पार करना और ट्रॉफी जीतना।'

इंग्लैंड टीम की आधिकारिक डॉक्यूमेंट्री 'बिल्डिंग द ड्रीम' में भी दिखाया गया कि टुचेल ने खिलाड़ियों के साथ अपनी पहली बैठक में ही विश्व कप जीतने के लक्ष्य पर खुलकर चर्चा की थी।

टुचेल ने खिलाड़ियों से कहा, 'हम यहां क्यों हैं, इसका जवाब बिल्कुल साफ है। हम विश्व चैंपियन बनना चाहते हैं। हम अपनी जर्सी पर दूसरा सितारा जोड़ना चाहते हैं। मेरे लिए यह जरूरी है कि हम इस लक्ष्य के बारे में खुलकर बात करें। हमारा मिशन और लक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट है।'

टुचेल का मानना है कि सिर्फ प्रतिभा के दम पर विश्व कप नहीं जीता जा सकता। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में टीम की एकजुटता और आपसी विश्वास सबसे बड़ा अंतर पैदा करता है। उन्होंने कहा, 'सिर्फ टैलेंट काफी नहीं है। यह केवल फुटबॉल, रणनीति या सेट-पीस की बात नहीं है। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में टीम का माहौल और खिलाड़ियों के बीच का रिश्ता बेहद महत्वपूर्ण होता है।'

टुचेल ने एक विश्व कप विजेता खिलाड़ी का उदाहरण देते हुए कहा कि क्वार्टर फाइनल और फाइनल के बीच फर्क सिर्फ खेल का नहीं, बल्कि टीम के भीतर बने भाईचारे का होता है। उन्होंने कहा, 'जब खिलाड़ी एक परिवार और भाईचारे

की तरह जुड़ जाते हैं, तब वे एक-दूसरे के लिए सब कुछ देने को तैयार रहते हैं। यही भावना किसी टीम को चैंपियन बनाती है।' इंग्लैंड ने अब तक सिर्फ एक बार विश्व कप का खिताब जीता है। ऐसे में टुचेल और केन की नजरें इतिहास रचते हुए देश को दूसरा विश्व कप दिलाने पर टिकी हैं।

फ्रेंच ओपन 2026 : टियाफो को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे अर्नाल्डी

पेरिस। इटली के माटेओ अर्नाल्डी ने 19वें वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी फ्रांसिस टियाफो को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस 2026 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। अर्नाल्डी ने पांच घंटे 26 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में टियाफो को 7-6(5), 6-7(5), 3-6, 7-6(3), 6-4 से हराया। इसी के साथ ही 25 साल के अर्नाल्डी ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। इस मुकाबले में दोनो ही खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर हुई। पहले सेट में बराबरी के बाद, टियाफो ने अपनी जबरदस्त वापसी की और तीसरे सेट तक बढ़त बना ली। चौथे सेट में 4-1 की बढ़त के साथ ही टियाफो आगे हो गये पर टाईब्रेक में टियाफो ने आक्रामक खेल दिखाकर अच्छी वापसी की। उन्होंने बैकहैंड शॉट खेलने के बाद ही मैच को पांचवें सेट में पहुंचा दिया। इसके बाद अर्नाल्डी ने अच्छी लय हासिल कर ली। उन्होंने 4-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद टियाफो ने एक बार फिर अच्छे फोरहैंड शॉट लगाकर स्कोर 4-4 से बराबरी पर ला दिया। अर्नाल्डी ने अंत में अपने तीसरे मैच अंक को जीतकर यह मुकाबला जीता। अब उनका मुकाबला अपने ही साथी खिलाड़ी माटेओ बेरेटिनी से होगा। इस इस अर्नाल्डी के अलावा इटली के ही बेरेटिनी और फ्लेवियो कोबोली ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। ये पहली बार है जब एक ही ग्रैंड स्लैम के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में इटली के तीन खिलाड़ी पहुंचे हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के न्यू अशोक नगर में झपटमारी करने वाला बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यू अशोक नगर इलाके में चोरी के वाहन से झपटमारी करने वाले बदमाश

को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान कोंडली निवासी रोहित उर्फ लाला के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की एक बाइक बरामद की है। आरोपित की गिरफ्तारी से स्नैचिंग और वाहन चोरी के कुल चार मामलों को सुलझाने का दावा किया है। पुलिस ने बताया कि न्यू अशोक नगर थाने में एक महिला ने झपटमारी की ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवाई थी। महिला ने बताया था कि वह न्यू अशोक नगर मेट्रो स्टेशन से घर लौट रही थी, तभी पीछे से मोटरसाइकिल पर आए एक बदमाश ने उसका मोबाइल फोन झपट लिया और फरार हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना न्यू अशोक नगर की टीम ने जांच शुरू की। एसएचओ के निर्देशन में गठित पुलिस टीम ने घटना स्थल और आसपास के इलाकों में लगे करीब 100 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी निगरानी और स्थानीय खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंचने में सफल रही। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि जिस मोटरसाइकिल का इस्तेमाल स्नैचिंग में किया गया था, वह चोरी की थी। यह बाइक कल्याणपुरी थाना क्षेत्र से चोरी हुई थी और उसके संबंध में पहले से ई-एफआईआर दर्ज थी। पुलिस ने फुटेज से आरोपित की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया।

खाली कराया जाएगा यमुना बाजार घाट, 300 से ज्यादा आशियाने... 15 दिन का अल्टीमेटम खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। जून माह में कभी भी कश्मीरी गेट स्थित यमुना बाजार घाट के किनारे रहने वाले पंडों को हटाने की प्रक्रिया

शुरू हो सकती है। डीडीए की तरफ से इस संबंध में दी गई 15 दिन की मोहलत 30 मई को खत्म हो गई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत अन्य जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर उन्होंने घाट के 300 मीटर के दायरे में अपने पुनर्वास की मांग की थी, लेकिन अब तक इस पर कोई निर्णय नहीं हो सका है। इस बीच, पंडा एसोसिएशन हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। शुक्रवार को मामले में सुनवाई में कोर्ट ने पंडों को कोई सीधी राहत नहीं दी है। जिला प्रशासन ने डीएमए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर 300 से अधिक आवासों को खाली करने का आदेश दिया है। नोटिस में ओ जोन में बसावट को अवैध बताते हुए उनके लिए 15 दिन का नोटिस दिया था। उसकी मियाद तो 15 मई को पूरी हो गई थी। इसके बाद डीडीए ने घाट के किनारे से लोगों को जाने के लिए अतिरिक्त 15 दिन (30 मई) का समय दिया था। अब यह अवधि भी बीत चुकी है। इसके पहले उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू व मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना बाजार क्षेत्र का निरीक्षण कर इसके कायाकल्प पर जोर दिया था। सरकार की योजना यहां स्थित 30 घाटों के सुंदरीकरण व हरियाली के साथ मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की है। वहीं, यहां रहने वाले पंडों का कहना है कि वह कई पीढ़ियों से यहां रहते आए हैं। इसलिए उन्हें नहीं हटाया जाए। जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले में वह डीडीए व संबंधित निकायों के आदेश पर अमल करेंगे।

दिल्ली में 45 साल पुराने मकानों को ढहाया, होटल-दुकान समेत 143 इमारतें ध्वस्त; अर्धसैनिक बलों की 10 कंपनी तैनात

नई दिल्ली, एजेंसी। भारी पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती के बीच शालीमार गांव में 45 साल पुराने अवैध कब्जों को ध्वस्त कर दिया। 14 घंटे से ज्यादा समय चली इस कार्रवाई के दौरान दर्जनभर बुलडोजर की मदद से 143 इमारतों व ढांचों में से अधिकांश को ढहा दिया गया, इनमें ज्यादातर बहुमंजिला भवन हैं। इमारतों में 40-50 दुकानों के अलावा कुछ होटल भी चल रहे थे। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अर्ध सैनिक बलों की 10 कंपनी तैनात की गई। आजादपुर अंडरपास से मैक्स अस्पताल रोड सुबह चार बजे से लेकर रात आठ बजे तक आवाजाही के लिए पूर्णतः बंद रहा। पल-पल की गतिविधि पर नजर रखने के लिए गांव के आसमान पर दिनभर ड्रोन मंडराते रहे। डीडीए, पीडब्ल्यूडी, राजस्व, नगर निगम, पुलिस समेत कई एजेंसियों के अधिकारी-कर्मचारियों की संयुक्त टीम की देखरेख में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के विधानसभा क्षेत्र के शालीमार गांव में बनीं अवैध इमारतों पर रविवार तड़के चार बजे बुलडोजर कार्रवाई शुरू हुई।

पुलिस ने कल देर रात को शालीमार गांव में आजादपुर अंडरपास से लेकर मैक्स अस्पताल टी-प्वाइंट तक रोड को दोनों ओर बैरिकेडिंग लगाकर बंद कर दिया। अवैध निर्माण वाली जगह की चारों ओर से घेराबंदी की गई। इस जगह तक मीडिया समेत किसी को भी जाने की इजाजत नहीं थी।

दिनभर अवैध ढांचे गिराने का काम चलता रहा। शाम छह बजे तक 143 अवैध इमारतों में से ज्यादातर को ढहा दिया गया। गत 10 जनवरी को किए गए संयुक्त सर्वेक्षण में पाया गया कि निर्धारित 30 मीटर राइट आफ-वे के भीतर कुल 143 अनधिकृत पक्के निर्माण पाए गए हैं, इनमें लगभग 19.5 मीटर क्षेत्र में मौजूदा सड़क है, जबकि लगभग 10.5 मीटर क्षेत्र अतिक्रमण के कारण अवरुद्ध है।

लोगों ने खुद अवैध निर्माण तोड़े

बता दें कि राजस्व विभाग ने इस क्षेत्र में बनी लगभग 143 इमारतों को खाली करने के लिए 30 मई तक का अल्टीमेटम दिया था। 29 मई को सुप्रीम कोर्ट ने राहत देने से इन्कार कर दिया था। इसी दिन से लोगों ने खुद अवैध निर्माण तोड़ने शुरू किए, इस दौरान बड़ी संख्या में लोग अपना सामान समेट कर अन्यत्र चले गए। इस बीच, उत्तर पश्चिम दिल्ली जिले की डीसीपी आकांक्षा यादव ने हालात का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्र में अर्धसैनिक बलों की 10 कंपनी तैनात की गई हैं। ड्रोन से निगरानी की जा रही है। मध्य-उत्तर जिले के डीएम एसएस परिहार ने बताया कि दिल्ली सरकार ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए प्रभावित पात्र परिवारों के लिए विशेष सहायता पैकेज भी घोषित किया है।

एसडीएम के आदेश पर 24 घंटे में खाली हुआ अवैध रसायन गोदाम, ग्रामीणों को मिली राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। करावला में आवासीय क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे रसायन के गोदाम को 24 घंटे के भीतर खाली करने के एसडीएम के आदेश पर रविवार को अमल हुआ। संचालक ने गोदाम से रसायन व अन्य सामान उठा लिया है। एसडीएम ने गोदाम खाली करने के अलावा 72 घंटे के अंदर गोदाम संचालन संबंधित विभागीय अनुमति और फायर एनओसी प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए हैं। एसडीएम ने शनिवार शाम गोदाम संचालक को जारी किया और अवैध रूप से रसायन के भंडारण को मानव जीवन व सेहत के लिए खतरनाक बताया। नोटिस में 24 घंटे के भीतर गोदाम खाली करने और 72 घंटे में अनुमति संबंधित कागजात पेश करने को कहा। इस क्रम में दोपहर को संचालक ने गोदाम खाली करने शुरू किया। बता दें कि शुक्रवार को 12 घंटे के भीतर इस गोदाम में दो बार आग लगी। दिन में 12 बजे लगी आग के बाद धुएं और गैस के गुबार ने आसपास के घरों को अपने आगोश में ले लिया। धुएं और गैस से ग्रामीणों को सांस लेने में दिक्कत, उल्टी-दस्त की शिकायत हुई। कोई अप्रितय घटना न हो, इसलिए एहतियात के तौर बच्चों को अपनी रिश्तेदारियों में भेज दिया।

कोई महिला आजीविका के लिए वेश्यावृत्ति करे, तो वह जगह कोठा नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने दिया 298 पन्नों का फैसला

वेश्यावृत्ति को लेकर कानूनी अस्पष्टता

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 70 साल पुराने अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम का गहन विश्लेषण करने के बाद एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है।

अदालत ने कहा कि इस कानून का मुख्य उद्देश्य न तो वेश्यावृत्ति को पूरी तरह से खत्म करना है और न ही इसे आपराधिक अपराध बनाना है, बल्कि इसका असली मकसद वेश्यावृत्ति के व्यावसायीकरण पर लगाम लगाना है। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि हम इस बात को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं कि वेश्यावृत्ति को खत्म करना या इसे आपराधिक अपराध बनाना इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य नहीं है। बल्कि, इसका उद्देश्य वेश्यावृत्ति के व्यावसायीकरण को रोकना या समाप्त करना है, यानी वेश्यावृत्ति को आजीविका के एक संगठित माध्यम के रूप में इस्तेमाल करने पर रोक लगाना है।

वेश्यालय से छुड़ाई गई महिलाओं के पुनर्वास के मुद्दे पर सुनवाई करते हुए पीठ ने 1956 के इस अधिनियम का गहराई से विश्लेषण किया। अदालत ने बताया कि 20वीं सदी की शुरुआत में वेश्यावृत्ति के लिए महिलाओं की तस्करी बहुत आम थी और समाज में इसे अनैतिक माना जाता था, यही वजह है कि यह शब्द इस कानून के नाम के साथ जुड़ गया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आईटीपीए मुख्य रूप से अपराधियों और तस्करों को सजा देने के लिए लाया गया था, न कि खुद वेश्यावृत्ति करने वाली महिलाओं को दंडित करने के लिए। जस्टिस पारदीवाला द्वारा लिखे गए 298 पन्नों के इस फैसले में स्पष्ट किया गया कि अधिनियम की धारा 7 और 8 इस सामान्य नियम के अपवाद हैं। ये धाराएं विशेष परिस्थितियों में वेश्यावृत्ति के व्यक्तिगत कृत्यों को दंडित करती हैं कि धारा 7 सार्वजनिक स्थानों के करीब वेश्यावृत्ति में शामिल होने वाले किसी भी व्यक्ति को दंडित करती है। वहीं, धारा 8 सार्वजनिक स्थानों पर ग्राहकों को रिझाने या बुलाने को अपराध मानती है। पीठ ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि हालांकि वेश्यावृत्ति के व्यक्तिगत कृत्यों को सीधे तौर पर पूरी तरह प्रतिबंधित नहीं किया गया है, लेकिन सार्वजनिक शालीनता और सामाजिक नैतिकता को बनाए रखने के लिए यह जरूरी है। प्रयासों को रोका जाए ताकि जनता को असुविधा न हो। अदालत ने स्पष्ट किया कि वह न तो वेश्यावृत्ति को पूरी तरह से अपराध घोषित करने की वकालत कर रही है और न ही इसे पूरी तरह से अनियंत्रित छोड़ने की बात कह रही है। कोर्ट ने कहा कि हम सिर्फ यह समझाना चाहते हैं कि विधायी उद्देश्य वेश्यावृत्ति के सभी कृत्यों की निंदा करना नहीं है। हालांकि, इसकी परिभाषा में कुछ अस्पष्टता जरूर है, क्योंकि इसे पूरी तरह से केवल शोषणकारी या अपमानजनक रूप में ही चित्रित किया जाता है। अधिनियम की धारा 2 में दिए गए वेश्यागृह शब्द की परिभाषा की जांच करते हुए पीठ ने एक बेहद महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण दिया।

दिल्ली की सड़कों पर की गई हरियाली भगवान भरोसे, पीडब्ल्यूडी की लापरवाही उजागर

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल दिल्ली को प्रदूषण से बचाने के लिए जिस हरियाली पर जोर दिया जा रहा है, इस शहर में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा सड़कों पर की गई हरियाली भगवान भरोसे है। रखरखाव की जाने वाली दिल्ली की प्रमुख सड़कों पर की गई हरियाली को बचाने के लिए पानी देने के नाम पर खानापूर्ति हो रही है। ऐसे में कई जगह हरियाली और झाड़ियां सूख चुकी है, इन्हें तैयार करने पर विभाग की मेहनत और पैसे पर पानी फिर रहा है। उधर विभाग का है दावा हरियाली बचाने के लिए नियमित पानी दिया जा रहा है, मगर तापमान अधिक होने के कारण इसे नुकसान हो रहा है। पीडब्ल्यूडी की बात करें तो इस एलिवेडेट कॉरिडोर जैसे प्रमुख मार्ग भी शामिल हैं।

विभाग के पास 1440 किलोमीटर लंबी सड़के हैं जो दिल्ली की प्रमुख सड़के हैं, इन सब सड़कों की चौड़ाई 60 फीट से अधिक है इनमें कई ऐसी सड़के हैं जिनको दिल्ली के आवागमन की रीड़ माना जाता है, इनमें रिंग रोड और बाहरी रिंग रोड, बारापुला

पर्यावरण की दृष्टि से शहर को बेहतर बनाने और सड़कों को सुंदर दिखने के लिए विभाग द्वारा हर साल बड़े स्तर पर इन सड़कों पर पौधारोपण किया जाता है। जिनमें नए पौधे और पेड़ के साथ-साथ झाड़ियां भी लगाई जाती हैं।

दिल्ली में स्कूल ऑफ प्लानिंग की बिल्डिंग में लगी आग, काबू पाने में जुटी दमकल की 8 गाड़ियां

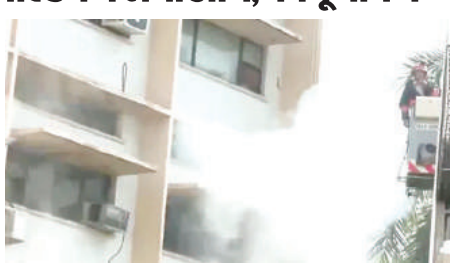

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में मुखर्जी नगर के बाद आईटीओ के पास भी एक बिल्डिंग में आग लग गई। यह आग स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर लगी है। आग की सूचना पर आनन-फानन में दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। अभी आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, सुबह साढ़े 9 बजे के करीब पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट की इमारत के पास एक बिल्डिंग में अचानक आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते बिल्डिंग में आग लग गई।

चीन की मिसाइल से गिराया गया अमेरिकी लड़ाकू विमान, इस्राइल-ईरान तनाव के बीच रिपोर्ट में बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अब चीन की भूमिका को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पिछले महीने ईरान के दक्षिण-पश्चिम इलाके में गिराए गए अमेरिकी एफ-15 लड़ाकू विमान को संभवतः चीन में बनी मिसाइल से निशाना बनाया गया था। इस दावे ने अमेरिका, चीन और ईरान के रिश्तों में नई हलचल पैदा कर दी है। हालांकि चीन ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे बेबुनियाद बदनाम करने की कोशिश बताया है।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी एफ-15ई स्ट्राइक ईगल विमान को कंधे पर रखकर दागी जाने वाली मिसाइल से मार गिराया गया था। इस तरह की मिसाइल को मैनपैड्स कहा जाता है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार यह कई दशकों में पहली बार था जब दुश्मन की गोलीबारी में कोई अमेरिकी लड़ाकू विमान गिरा। विमान में मौजूद दोनों अमेरिकी जवान सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे। पायलट को सात घंटे के भीतर बचा लिया गया, जबकि दूसरे अधिकारी को दो दिन बाद

पहाड़ी इलाके से निकाला गया।

चीन पर आखिर क्या आरोप लगे हैं? अमेरिकी सूत्रों का दावा है कि ईरान ने संभवतः चीन में बनी मिसाइल का इस्तेमाल किया। इसके अलावा यह भी आरोप है कि चीन ने ईरान को ऐसा लंबी दूरी का रडार सिस्टम भी दिया हो सकता है, जो स्टील्थ विमानों को पकड़ सकता है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक यह रडार उन विमानों को भी पहचान सकता है जो आम तौर पर रडार से बच निकलते हैं। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि यह सैन्य उपकरण हाल ही में दिए गए या पुराने हथियार भंडार का हिस्सा थे। मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले ही कह चुके हैं कि विमान को कंधे से दागी जाने वाली मिसाइल से निशाना बनाया गया था। वहीं विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि चीन को भी इस युद्ध को खत्म करने में भूमिका निभानी चाहिए, क्योंकि चीन ईरान के तेल का बड़ा खरीदार है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका चीन की मदद पर निर्भर नहीं है। ट्रंप ने दावा किया कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उन्हें भरोसा दिया है कि चीन ईरान को हथियार नहीं भेज रहा है। चीन के दूतावास ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। चीनी पक्ष ने कहा कि चीन सैन्य उत्पादों के निर्यात को लेकर बेहद सख्त नियमों का पालन करता है। चीन ने कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय कानूनों और निर्यात नियंत्रण नियमों के अनुसार काम करता है। चीन ने अमेरिका पर बिना सबूत आरोप लगाने और गलत तरीके से उसका नाम जोड़ने का आरोप लगाया।

● कहा- सब कुछ कमांडरों के हाथ, सरकार बेबस

ईरान में संकटः राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने की इस्तीफे की पेशकश

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने सैन्य कमांडरों के बढ़ते दखल और सरकार के पंगु होने का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया है। इस फैसले ने ईरान के सर्वोच्च नेतृत्व में रार को दुनिया के सामने ला दिया है, जिससे देश में बड़ा राजनीतिक गतिरोध पैदा हो गया है। ईरान की राजनीति से इस वक्त की सबसे बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अपने पद से आधिकारिक तौर पर इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने अपना इस्तीफा सीधे सुप्रीम लीडर के दफ्तर को भेजा है। इस अप्रत्याशित कदम ने देश के शीर्ष नेतृत्व में मचे घमासान को सरेआम कर दिया है।

सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रपति पेजेशकियन ने अपने इस्तीफे में

बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने साफ लिखा है कि देश के बड़े और बेहद जरूरी फैसलों से राष्ट्रपति और सरकार को पूरी तरह अलग थलग कर दिया गया है। राष्ट्रपति के मुताबिक, इस हालात की वजह से जो खालीपन पैदा हुआ, उसका फायदा कट्टपंथी धड़ों ने उठाया। अब आईआरजीसी के कमांडर देश के तमाम मामलों को अपनी मर्जी से चला रहे हैं। पेजेशकियन ने कहा है कि मौजूदा हालातों में उनके लिए सरकार चलाना मुमकिन नहीं रह गया है। वे अपनी कानूनी जिम्मेदारियां निभाने में खुद को पूरी तरह असमर्थ पा रहे हैं। इसी वजह से उन्होंने बिना किसी देरी के तुरंत पद छोड़ने की मांग की है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि मोजतबा खामेनेई इस इस्तीफे को स्वीकार करेंगे या नहीं। लेकिन इस पत्र ने ईरान की सत्ता के शीर्ष पर मौजूद गहरी और अभूतपूर्व दरार को उजागर कर दिया है। यह बड़ा घटनाक्रम सरकार और सैन्य-सुरक्षा संस्थाओं के बीच महीनों से चल रहे तनाव का नतीजा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईआरजीसी ने धीरे-धीरे राष्ट्रपति के कई अधिकारों को सीमित कर दिया था। इसके बाद सरकार के अहम हिस्सों पर सीधे कब्जा कर लिया गया। जानकारों की मानें तो इसी वजह से पेजेशकियन प्रशासन पूरी तरह राजनीतिक और प्रशासनिक गतिरोध में फंस गया था।

शर्मनाक- कोर्ट में चल रही थी सुनवाई, बगल के चैंबर में महिला जज ने बनाए पुलिस अधिकारी से यौन संबंध

अटलांटा, एजेंसी। अमेरिका की न्याय व्यवस्था से एक बेहद हैरान और शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। अटलांटा के एकसंघीय न्यायालय की महिला जज पर आरोप है कि उन्होंने कोर्ट की कार्यवाही के दौरान ही अपने चैंबर (बगल के कमरे) में एक पुलिस अधिकारी के साथ कई बार यौन संबंध बनाए। इस दौरान कोर्ट रूम के बाहर मौजूद क्लर्कों और स्टाफ ने आपत्तिजनक आवाजें भी सुनीं, जिसके बाद इस पूरे मामले का भंडाफोड़ हुआ।

क्या है पूरा मामला? 11वें ज्यूडिशियल सर्किट की ज्यूडिशियल काउंसिल द्वारा की गई एक रिपोर्ट में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस महिला फेडरल जज और एक शादीशुदा हाई रैंकिंग पुलिस अधिकारी के बीच लंबे समय से विवाह-बाह्य संबंध चल रहे थे। हद तो तब हो गई जब कोर्ट में मामलों की सुनवाई चल रही होती थी और यह महिला जज लंच ब्रेक के दौरान अपने चैंबर में उस पुलिस अधिकारी को बुला लेती थी। सुरक्षा कैमरों के फुटेज और लॉग बुक से यह साबित हुआ है कि वह अधिकारी अक्सर ड्यूटी की वर्दी में ही जज के कमरे में आता-जाता था।

क्लर्कों ने सुनी आवाजें, जज ने पहले बोला झूठ फिर मांगी माफी- इस अनएथिकल बिहेवियर का खुलासा तब हुआ जब जज के ही एक लॉ क्लर्क ने इसकी आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान 6 क्लर्कों ने गवाही दी कि उन्होंने उस अधिकारी को अक्सर चैंबर में आते देखा था, जबकि तीन क्लर्कों ने जज के बंद कमरे से आने वाली आपत्तिजनक आवाजों को सुनने की पुष्टि की।

अमेरिका में फेडरल जजों की नियुक्ति जीवनभर के लिए होती है और उन्हें केवल संसद (कांग्रेस) में महाभियोग चलाकर ही पद से हटाया जा सकता है। इस मामले में ज्यूडिशियल समिति ने महिला जज के खिलाफ जो कार्रवाई की है, उसे कानूनी विशेषज्ञ बेहद हल्की मान रहे हैं।

पीएम बालेन शाह के भारतीय जमीन पर कब्जे वाले बयान पर बढ़ा विवाद

काठमांडू, एजेंसी। भारत-नेपाल सीमा विवाद को लेकर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के बयान पर उठे विवाद के बाद अब नेपाल के विदेश मंत्रालय को सफाई देनी पड़ी है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि प्रधानमंत्री के 'नेपाल द्वारा भारतीय जमीन पर अतिक्रमण' वाले बयान का मतलब सरकारी कब्जा नहीं, बल्कि सीमा के पास दोनों देशों के लोगों द्वारा जमीन के इस्तेमाल और नो-मैन्स लैंड से जुड़े मुद्दे थे। इस बयान के बाद नेपाल में राजनीतिक और कूटनीतिक बहस और तेज हो गई है।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने संसद में कहा था कि उन्हें जानकारी मिली है कि सिर्फ भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया, बल्कि नेपाल की तरफ से भी कई जगह भारतीय जमीन का इस्तेमाल हुआ है। उनके इस बयान पर नेपाल में भारी विवाद शुरू हो गया था। इसके बाद विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री की टिप्पणी 'दसगजा' यानी नो-मैन्स लैंड और सीमा पार कब्जे से जुड़े मामलों को लेकर थी। मंत्रालय ने कहा कि इसे किसी सरकारी कब्जे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सफाई में क्या कहा?

नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और नेपाल की मौजूदा सीमा 1816 की सुगौली संधि पर आधारित है। मंत्रालय ने कहा कि लिपुलेख, लिम्पियाधुरा, कालापानी और

सुस्ता जैसे कुछ क्षेत्र अब भी पूरी तरह सीमांकित नहीं हुए हैं। विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों देश इन मुद्दों को बातचीत और कूटनीतिक माध्यम से सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि कई सीमावर्ती इलाकों में दोनों देशों के लोगों द्वारा एक-दूसरे की जमीन का इस्तेमाल किया जाता रहा है।

दसगजा और सीमा पार कब्जे का क्या मतलब है?: नेपाल सरकार ने कहा कि 'दसगजा' उन नो-मैन्स लैंड क्षेत्रों को कहा जाता है जो सीमा स्तंभों के बीच खाली छोड़े जाते हैं। कई जगह सीमा स्तंभ टूट गए या गायब हो गए हैं, जिसके कारण जमीन को लेकर भ्रम की स्थिति बनती रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कुछ मामलों में भारतीय सीमा के लोग नेपाली जमीन का इस्तेमाल करते हैं और कुछ मामलों में नेपाली लोग भारतीय जमीन का उपयोग करते हैं। प्रधानमंत्री का बयान इसी तरह के मामलों से जुड़ा था। भारत-नेपाल के बीच विवाद किन इलाकों को लेकर है? भारत और नेपाल के बीच कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को लेकर लंबे समय से सीमा विवाद चल रहा है। भारत का कहना है कि ये इलाके उत्तराखंड का हिस्सा हैं। वहीं नेपाल इन क्षेत्रों पर अपना दावा करता है। हाल ही में कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर भी दोनों देशों के बीच बयानबाजी हुई थी। भारत ने नेपाल के दावों को 'एकतरफा कृत्रिम विस्तार' बताया था और कहा था कि ऐसे दावे स्वीकार नहीं किए जा सकते।

डीसी ने किया ग्रीष्मकालीन शिविर-2026 का शुभारंभ

शिक्षा सिर्फ मार्क्स तक ही सीमित नहीं, सर्वांगीण विकास जरूरी: डीसी अनुपमा अंजली

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

शिक्षा केवल स्कूल के मार्क्स और रैंक तक ही सीमित नहीं है, शिक्षा तभी संपूर्ण होती है जब बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ एक्स्ट्रा एक्टिविटीज पर भी ध्यान दें। यह बात उपायुक्त एवं जिला बाल कल्याण परिषद की अध्यक्ष अनुपमा अंजली ने आज बाल भवन में हरियाणा राज्य कल्याण परिषद की ओर से आयोजित ग्रीष्मकालीन शिविर-2026 का शुभारंभ करते हुए कही। डीसी ने संबोधित करते हुए कहा कि जिला बाल कल्याण परिषद द्वारा आयोजित इस ग्रीष्मकालीन शिविर-2026 के माध्यम से सभी बच्चों के लिए काफी कुछ सिखने का सुनहरा अवसर है जिसका फायदा इन बच्चों को उक्त शिविर में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर उठाना चाहिए। उन्होंने बच्चों से कहा कि यदि वे किसी म्यूजियम या अन्य जगह पर शैक्षणिक भ्रमण के लिए जाना चाहते हैं, तो प्रशासन द्वारा शाम के समय उनके घूमने का भी प्रबंध किया जाएगा। उन्होंने बाल भवन की साइंस लाइब्रेरी की भी प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने बच्चों को इन मॉडल्स को गहराई से समझाने के लिए शाम के समय एक साइंस टीचर की व्यवस्था की जाएगी ताकि बच्चे बचपन से ही इंजीनियरिंग के मूल सिद्धांतों को आसानी से समझ सकें। इस मौके पर उन्होंने तीरंदाजी भी करके देखी।

इस मौके पर सेवानिवृत बाल कल्याण अधिकारी विपिन शर्मा ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बच्चों को ग्रीष्मकालीन अवकाश शिविरों का अधिक से अधिक फायदा उठाना चाहिए तथा उन्होंने हरियाणा बाल कल्याण परिषद जिला शाखा नारनौल द्वारा बच्चों के विकास के लिए समय-समय पर चलाई जाने वाली गतिविधियों में हमेशा अपना सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी विवेक कुमार, लेखाकार मनीष कुमार, तीरन्दाजी कोच सुरेन्द्र शर्मा व सभी गतिविधियों के प्रशिक्षक व प्रशिक्षिकाएं व बच्चें उपस्थित थे।

ग्रीष्मकालीन शिविर की कक्षाएं 31 जुलाई तक चलेंगी प्रतिदिन

जिला बाल कल्याण अधिकारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि इस ग्रीष्मकालीन शिविर की कक्षाएं 1 जून से शुरू हो गई हैं और 31 जुलाई तक प्रतिदिन लगाई जाएंगी। ड्राईंग की कक्षा तथा डांस (नृत्य) की कक्षा सांय: 4 से 6 बजे तथा तीरन्दाजी और ताई कवांडो/आत्मरक्षा प्रशिक्षण की कक्षाएं प्रात: 6 से 8 बजे तक लगाई जाएंगी। इन शिविर के माध्यम से बच्चे को उनकी रूचि अनुसार ड्राईंग, डांस (नृत्य), ताई कवांडो/आत्मरक्षा प्रशिक्षण व तीरन्दाजी प्रशिक्षण में भाग लेना चाहिए। उन्होंने अधिक से अधिक बच्चों को इन ग्रीष्मकालीन अवकाश शिविर में भाग लेने की अपील की।

सीजेएम नीलम कुमारी ने ली अधिवक्ताओं व पीएलवी की बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मैडम नीलम कुमारी ने आज एडीआर सेंटर में राष्ट्रीय लोक अदालत व अन्य विशेष लोक अदालतों तथा आम जनमानस तक कानूनी सहायता पहुंचाने के संबंध में पैनल अधिवक्ताओं और पैरा लीगल वॉलंटियर्स की बैठक ली। सीजेएम नीलम कुमारी ने बताया कि आगामी 12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा इसमें विभिन्न प्रकार के (समझौता योग्य) मामलों का निपटारा आपसी सहमति से किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने 18 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत (एनआई एक्ट - चैक बाउंस मामले) के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी और अधिकारियों व अधिवक्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोक अदालतों में लंबित मुकदमों के बोझ को कम करने और लोगों को त्वरित व सस्ता न्याय दिलाने का एक बेहतरीन माध्यम हैं। उन्होंने पैनल अधिवक्ताओं व पीएलवी को निर्देश दिए कि वे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जाकर लोगों को लोक अदालत के लाभों के प्रति जागरूक करें ताकि अधिक से अधिक लोग अपने मामलों का निपटारा आपसी भाईचारे और सहमति से करवा सकें। साथ ही उन्होंने नालसा एवं हालसा की स्कीमों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 और डीएलएसए हेल्पलाइन नंबर 01282-250322 पर फोन कर कानूनी जानकारी ले सकते हैं।

मंत्री किरोड़ीलाल का क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन समारोह में मंच से युवाओं को संदेश: नशे से दूरी, खेल से रखे दोस्ती

झूथाहेड़ा नाइट क्रिकेट महाकुंभ में सामोला बनी चैंपियन व झालाटाला रही उपविजेता

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर-झूंथाहेड़ा।

मनोज खंडेलवाल । 'जिस गांव के मैदान आबाद रहते हैं, वहां अपराध और बुराइयों की जड़ें खुद-ब-खुद कमजोर पड़ जाती हैं।' इसी संदेश के साथ मंडावर उपखंड क्षेत्र के झूथाहेड़ा गांव में आयोजित नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का सोमवार को भव्य समापन हुआ। करीब तीन सप्ताह तक चले इस खेल महाकुंभ के मेगा फाइनल में राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने हजारों युवाओं को खेल, शिक्षा, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाते हुए नशामुक्त और अपराधमुक्त समाज निर्माण का आह्वान किया। समापन समारोह में महवा विधायक राजेन्द्र मीना सहित क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे। 9 मई 2026 को महवा विधायक राजेन्द्र मीना द्वारा बॉल पर शॉट लगाकर शुरू किए गए इस नाइट क्रिकेट महाकुंभ में क्षेत्रभर की कुल 128 टीमों ने भाग लिया। टूर्नामेंट की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसका आयोजन किसी संस्था या व्यक्ति विशेष ने नहीं, बल्कि पूरे झूथाहेड़ा गांव ने सामूहिक रूप से किया। गांव के हर वर्ग, हर परिवार और हर युवा ने आयोजन में अपनी भूमिका निभाकर ग्रामीण एकता और सामाजिक सहभागिता की मिसाल पेश की। रोमांच और उत्साह से भरपूर फाइनल मुकाबले में सामोला की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। झालटाला की टीम उपविजेता रही, जबकि केशरपुर ने तीसरा और भनोखर ने चौथा स्थान हासिल किया। विजेता टीम सामोला को 2 लाख 11 हजार रुपए, उपविजेता झालटाला को 1 लाख 11 हजार रुपए, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली केशरपुर टीम को 5100 रुपए तथा चतुर्थ स्थान पर रही भनोखर टीम को 5100 रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। समापन समारोह को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि वर्तमान दौर में युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती नशा, साइबर अपराध और सामाजिक विकृतियां हैं। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने, बहन-बेटियों के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देने, साइबर ठगी जैसे अपराधों से बचने, आपसी भाईचारे को मजबूत करने और शिक्षा के माध्यम से जीवन में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने क्रिकेट खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत और अनुशासन के बल पर ग्रामीण अंचलों से भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकल सकते हैं। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आज के इन मैदानों से भी भविष्य का कोई वैभव सूर्यवंशी निकल सकता है। डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के संदेश को उपस्थित युवाओं और ग्रामीणों ने गंभीरता से सुना तथा खेलों को सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी माध्यम बताया। समारोह में महवा विधायक राजेन्द्र मीना ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजनों को आवश्यक बताया।

कार्यक्रम में प्रमुख भामाशाह एवं समाजसेवी केदार मीना, जिला परिषद सदस्य पप्पू झूथाहेड़ा, किसान यूनियन जिला सचिव लोकेश बालाहेड़ा, समाजसेवी नरेश बालाहेड़ा सहित क्षेत्र के पंच-पटेल, गणमान्य नागरिक और हजारों खेलप्रेमी मौजूद रहे। प्रतियोगिता की सफलता में धर्मसिंह उर्फ लौठ्या सेठ के विशेष सहयोग की भी सराहना की गई।

बिजली निगम के जेई प्रदीप कुमार का सम्मान, 31 साल की सेवा के बाद हुए सेवानिवृत्त

फरीदाबाद विजिलेंस से रिटायर हुए जेई प्रदीप कुमार, क्षेत्रवासियों ने दी भावभीनी विदाई

सेवानिवृत्ति पर बोले प्रदीप कुमार—समाज और निगम की सेवा के लिए हमेशा रहूंगा तत्पर

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । क्षेत्र के गांव बोचडिया निवासी व हाल आबाद मंडी अटेली निवासी प्रदीप कुमार दक्षिणी हरियाणा बिजली निगम में जेई विजिलेंस फरीदाबाद से सेवानिवृत होने पर कस्बे में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। बिजली निगम में 31 वर्षों तक सराहनीय व उत्कृष्ट सेवा देने पर क्षेत्र के लोगों के साथ अटेली बिजली निगम के कर्मियों ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। जेई प्रदीप कुमार अटेली बिजली निगम में 25 साल तक लंबे समय तक अपनी सेवा दी है, फोरमैन से जेई की पदोन्नति होने पर फरीदाबाद तबादला हो गया था। विजिलेंस के एसडीओं हरजिंद्र सिंह ने कहा कि जेई प्रदीप कुमार एक अच्छे बिजली कर्मी थे। लोगों की शिकायतों को सुन कर समय पर निस्तारण किया। जेई प्रदीप कुमार ने कहा कि वह भले ही सेवानिवृत हो गये हो लेकिन समाज व निगम में किसी प्रकार की उसकी जरूरत होगी तो वह निस्वार्थ भाव से अपनी सेवा बराबर देते रहेंगे। इस मौके पर एचवीपीएन के जेई गोविंद, जेई राजेश कुमार, हनुमान सिंह, संजीव डोगरा, धर्मबीर फोरमैन, सीहमा से जितेंद्र प्रधान कुमार, विनित कुमार,प्रदीप कुमार, रिटायर्ड हेडमास्टर कृष्ण कुमार, हरदूल सिंह, बिजेंद्र सांगवान सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मई में आगरा मंडल की बड़ी कार्रवाई, 45 हजार से ज्यादा बेटिकट यात्रियों से वसूले 3.08 करोड़ रुपए

सघन टिकट जांच अभियान का असर, रेल राजस्व में 19.53 प्रतिशत की रिकॉर्ड बढ़ोतरी

मनोज खंडेलवाल।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर-आगरा। उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल ने मई माह में चलाए गए सघन टिकट जांच अभियानों के जरिए रेल राजस्व वसूली का नया रिकॉर्ड कायम किया है। मंडल के विभिन्न रेलखंडों और प्रमुख स्टेशनों पर लगातार चलाए गए अभियान के दौरान 45 हजार से अधिक यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 3 करोड़ 7 लाख 79 हजार 605 रुपए का जुर्माना वसूला गया। यह राशि पिछले वर्ष की तुलना में करीब 19.53 प्रतिशत अधिक है, जिससे मंडल ने राजस्व वृद्धि का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के निर्देशन तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अंकित गुप्ता के नेतृत्व में पूरे मई माह को विशेष अभियान के रूप में संचालित किया गया। इस दौरान रनिंग ट्रेन चेकिंग, स्पॉट चेकिंग, किलेबंदी जांच और मजिस्ट्रेट जांच जैसे अभियान लगातार चलाए गए। टिकट चेकिंग स्टाफ ने ट्रेनों और स्टेशनों पर व्यापक स्तर पर जांच कर बिना टिकट और अनियमित यात्रा करने वालों पर शिकंजा कसा। अभियान के दौरान 22 हजार 395 बेटिकट यात्रियों से एक करोड़ 80 लाख 98 हजार 890 रुपए, जबकि 22 हजार 717 अनियमित यात्रियों से एक करोड़ 26 लाख 61 हजार 705 रुपए का जुर्माना वसूला गया। वहीं बिना बुक कराए सामान लेकर यात्रा करने वाले 17 यात्रियों से भी कार्रवाई करते हुए 19 हजार 10 रुपए की वसूली की गई। इस प्रकार कुल 45 हजार 129 यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई कर 3.08 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व अर्जित किया गया।

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि टिकट जांच अभियान केवल राजस्व बढ़ाने का माध्यम नहीं बल्कि रेल व्यवस्था में अनुशासन बनाए रखने की महत्वपूर्ण कड़ी है। लगातार हो रही कार्रवाई से बेटिकट और अनियमित यात्रा पर प्रभावी अंकुश लगा है, जिससे ईमानदारी से टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों के हित भी सुरक्षित हो रहे हैं। जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने बताया कि आगरा मंडल में ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। यात्रियों से अपील की गई है कि वे वैध टिकट लेकर ही यात्रा करें, निर्धारित सीमा से अधिक सामान का विधिवत बुकिंग कराएं तथा रेलवे परिसर में स्वच्छता बनाए रखते हुए धूम्रपान जैसी प्रतिबंधित गतिविधियों से दूर रहें। रेलवे का मानना है कि यात्री जागरूकता और सख्त जांच अभियान के संयुक्त प्रयास से ही सुरक्षित, व्यवस्थित और जवाबदेह रेल यात्रा व्यवस्था को मजबूत बनाया जा सकता है।

राजपुरा के जयवर्धन जेईई एडवांस के ऑल इंडिया में 176 व आबीस में 27वीं रैंक हासिल की

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । अटेली क्षेत्र के गांव राजपुरा निवासी तहसीलदार सज्जन कुमार के पुत्र जयवर्धन ने जेईई एडवांस के आल इंडिया में 176 वा तथा ओबीसी कैटेगरी में 27 वा रैंक हासिल किया है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा (जेईई) एडवांस में सफल होने वाले अभ्यर्थी भारत की सर्वोच्च इंजीनियरिंग संस्थान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में स्नातक की डिग्री हासिल कर देश-विदेश में इंजीनियरिंग के क्षेत्र में देश का परचम लहराते हैं। जयवर्धन के पिता सज्जन सिंह गुरुग्राम में तहसीलदार, माता भारतीय रेल,चाचा-चाची सहायक प्रोफेसर व लेक्चरर हैं। जयवर्धन ने अपनी सफलता का श्रेय अपने दादा-दादी और कोटा के शिक्षण संस्थान एलन के गुरुजनों को दिया है। युवा ने बताया कि प्रतिभा कुछ समय के लिए मध्यम जरूर रह सकती है, पर समय आने पर वह अपनी चमक अवश्य दिखाती है। अनुशासन व कड़ी मेहनत के बल पर व्यक्ति बड़े से बड़े मुकाम को हासिल कर सकता है।

डा. अर्चना गुप्ता को प्रदेश अध्यक्ष बनने से आधी आबादी पूरी भागीदारी के संकल्प को चरितार्थ किया-नरेंद्र सुजापुर

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । भाजपा जिला प्रशिक्षण टोली सदस्य व पार्टी के वरिष्ठ युवा नेता नरेंद्र सुजापुर ने डा. अर्चना गुप्ता को पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष बनने पर पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर खुशी व्यक्त की है। नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष बनने से पार्टी का जनाधार व महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा। युवा नेता नरेंद्र सुजापुर ने कहा कि नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता एक शिक्षित महिला के साथ कुशल संगठक है। जिसका संगठन विस्तार में पार्टी को लाभ मिलेगा। पार्टी का युवाओं, महिलाओं व बुद्धिजीवी वर्ग में और अधिक तेजी से संगठन का फैलाव होगा। वरिष्ठ युवा नेता नरेंद्र सुजापुर ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट करते हुए कहा कि भाजपा ने यह सिद्ध कर दिया है कि पार्टी में जो कार्यकर्ता इमानदारी व मेहनत से कार्य करता है, उसको पार्टी बड़े मुकाम तक पहुंचने का मौका देती है। युवा नेता ने कहा कि महिला सम्मान में बड़ा कदम उठाते हुए पार्टी ने आधी आबादी पूरी भागीदारी के संकल्प को चरितार्थ किया है। बैठक में सरपंच पूजा, संदीप, डा. दीपक, बिल्लु सरपंच, हार्दिक, राहुल आदि युवा मौजूद रहे।

सेहत पर 'मुनाफे' का हमला: घटिया तेल, बासी ब्रेड और बिना लाइसेंस चल रहे फास्ट-फूड ठिकाने

मंडावर में खाद्य सुरक्षा पर उठे बड़े सवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । कस्बे में इन दिनों खाद्य सुरक्षा व्यवस्था कटघरे में खड़ी नजर आ रही है। बाजारों और प्रमुख मार्गों पर संचालित हो रही कई बेकरी, कैफे और फास्ट-फूड दुकानों को लेकर स्थानीय लोगों में गहरी चिंता है। आरोप हैं कि बिना आवश्यक खाद्य लाइसेंस और मानकों की पालना के कई प्रतिष्ठान खाद्य सामग्री तैयार कर बेच रहे हैं, जिससे आमजन के स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीण अंचल में प्रचलित कहावत है कि 'जैसा अन्न, वैसा मन ', लेकिन यहां मुनाफे की अंधी दौड़ में खाद्य गुणवत्ता को ही दांव पर लगाने के आरोप लग रहे हैं।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शहर के हॉस्पिटल रोड, गांधी चौक, गढ़ रोड, सूर्यनगर कॉलोनी, रेलवे स्टेशन रोड, अनाज मंडी, पाखर बाईपास रोड, पुराना स्टैंड, बस स्टैंड और भूड़ा मोड़ सहित विभिन्न क्षेत्रों में संचालित कुछ बेकरी और फास्ट-फूड प्रतिष्ठानों में खाद्य सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है। लोगों का कहना है कि केक, पेस्ट्री, पैटीज, कचौरी, पकौड़ी और अन्य खाद्य पदार्थों के निर्माण में निम्न गुणवत्ता की सामग्री के उपयोग की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। भीषण गर्मी के इस मौसम में खाद्य पदार्थों के संरक्षण और स्वच्छता को लेकर बरती जा रही कथित लापरवाही को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। कस्बे के कुछ जागरूक नागरिकों का कहना है कि खाद्य कारोबार केवल व्यापार नहीं, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य से सीधे जुड़ा विषय है। ऐसे में यदि किसी प्रतिष्ठान में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों का पालन नहीं हो रहा है तो यह केवल नियमों की अवहेलना नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के साथ गंभीर जोखिम का मामला भी बन सकता है। लोगों का मानना है कि समय रहते प्रभावी निगरानी नहीं हुई तो खाद्य जनित बीमारियों और फूड पॉइजनिंग जैसी घटनाओं की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि शहर में बिना वैध पंजीकरण या लाइसेंस के खाद्य प्रतिष्ठान संचालित हो रहे हैं तो उनकी नियमित जांच और निगरानी की जिम्मेदारी किसकी है। खाद्य सुरक्षा विभाग और संबंधित प्रशासनिक एजेंसियों की सक्रियता को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। कस्बे के लोगों का कहना है कि सरकार लगातार स्वच्छ और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने पर जोर दे रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर नियमों की प्रभावी पालना सुनिश्चित होना भी उतना ही जरूरी है। 'दीये तले अंधेरा' वाली स्थिति तब पैदा होती है जब नियम तो मौजूद हों, लेकिन उनका पालन कराने वाली व्यवस्था ही सुस्त पड़ जाए।

ग्रामीणों का कहना है कि खाद्य सुरक्षा केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। नियमित निरीक्षण, संदिग्ध खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग, लाइसेंसों की जांच और मानकों का उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्रवाई ही लोगों के स्वास्थ्य की वास्तविक सुरक्षा कर सकती है। नागरिकों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि नगर में संचालित बेकरी, कैफे और फास्ट-फूड प्रतिष्ठानों की व्यापक जांच कराई जाए तथा खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मंडावर के लोगों की चिंता भी कुछ ऐसी ही है। वे चाहते हैं कि प्रशासन समय रहते जागे, ताकि थाली में परोसा जाने वाला भोजन स्वाद के साथ-साथ सुरक्षित भी रहे और लोगों की सेहत किसी की लापरवाही की कीमत न चुकाए।

इनका कहना है कि....

अगर ऐसा पाया जाता है तो मामले को संज्ञान में लेकर संबंधित दोषियों के खिलाफ जाँच कर शीघ्र कडी कार्रवाही अमल मे लाई जायेगी।

प्रकाशचंद सैनी,खाद्य निरीक्षक,दौसा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, —mail bheempragya@gmail.com